जीवन दर्शन

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

गुरुवार 27 मार्च, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 44 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

प्रत्येक अनुभव से शक्ति, साहस और आत्मविश्वास मिलता है, जिससे आपके चेहरे पर डर का आना बंद हो जाता है -एलेनोर रोसवैल्ट

मैटरनिटी ब्रेक के बाद लाइट, कैमरा एक्शन...

पृष्ठ 8 पर

मध्यप्रदेश सरकार : सहकारिता आंदोलन को आगामी 4 वर्ष में नए मुकाम पर पहुंचाएंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार सर्वजनकल्याण के संकल्पों के साथ कार्य कर रही है। वर्तमान में पंचायत से लेकर मंत्रालय तक पारदर्शितापूर्ण कार्य शैली के कारण अन्य क्षेत्रों के साथ सहकारी क्षेत्र में समृद्ध हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह ने सहकारिता का लाभ पहुंचाने के लिये बहुजन हिताय-बहुजन सुखाय के भाव के अनुसार कार्य करने के लिए मार्गदर्शन दिया है। मध्यप्रदेश सहकारिता के क्षेत्र में निश्चित ही नए दौर की नई कहानी लिखेगा। गुजरात में दूध पर बोनस की जिस तरह व्यवस्था है, मध्यप्रदेश भी इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन के लिए काफी बड़ा क्षेत्र है और हाल ही में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भी उद्योग क्षेत्र के साथ सहकारिता ने कार्य करने की पहल की है। मध्यप्रदेश में सहकारिता आंदोलन को गति दी जा रही है। अब सहकारिता क्षेत्र में व्यवस्थाएं काफी पारदर्शी हैं और मध्यप्रदेश में सहकारिता के विभिन्न आयामों पर कार्य किया जाएगा। आने वाले चार वर्ष में सहकारिता आंदोलन को नए मुकाम पर पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को समन्वय भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में पधारे प्रदेश भर के प्रतिभागियों का स्वागत किया।

भारत में प्रचलित व्यवस्थाओं से सीखते हैं अन्य देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में सहकारिता का इतिहास पुराना है। भारत में वर्षों पूर्व अश्वमेघ यज्ञ की परंपरा रही थी। लेकिन भारत ने किसी राष्ट्र पर कब्जा नहीं किया। छोटे-छोटे राज्यों की स्वायत्तता को खत्म नहीं होने दिया बल्कि उन्हें साथ लेकर कार्य किया और उनके स्वावलंबन को भी जीवंत रखा। सच्चे अर्थों में संयुक्त राष्ट्र संघ की भावना का पालन करने वाला कोई राष्ट्र है तो वह भारत है। जब यह कहा जाता है सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः ....तो इसका अर्थ है सभी को परस्पर जोड़ना और अपने लाभ में उन्हें सहभागी बनाना। यह वसुधैव कुटुम्बकम जैसे वेद वाक्य का लघु रूप है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विश्व में भारत की गरिमा बढ़ाने का कार्य किया है।

प्रधानमंत्री मोदी की भावना के अनुरूप मध्यप्रदेश में होगा कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सहकारिता के मूल भाव के अनुरूप बहुउद्देशीय सहकारी समितियों की कल्पना की। इसे साकार करने के लिए सहकारिता का दायित्व केंद्रीय मंत्री अमित शाह को दिया गया। केंद्र सरकार ने सहकारिता में सभी के कल्याण का ध्यान रखा है। मध्यप्रदेश में भी इसी तर्ज पर कार्य हो रहा है। सहकारिता अधिनियम में परिवर्तन के फलस्वरूप सोसायटी के रजिस्ट्रेशन का कार्य 30 दिन में संभव होगा। पूर्व में यह अवधि 90 दिवस थी। पूर्व की व्यवस्था में अनेक कठिनाईयों को सामना करना होता था।

हमास के खिलाफ गाजा में ऐतिहासिक विरोध

गाजा। गाजा में पहली बार हमास के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। मंगलवार को 3 जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। लोगों ने हमास को आतंकी संगठन कहा और सत्ता छोड़ने की मांग की। दरअसल, यहां के लोग इजराइल-हमास जंग से परेशान हो चुके हैं। सड़कों पर उतरे लोगों ने हमास बाहर जाओ, हमास आतंकी है, हम हमास को उखाड़ फेंकना चाहते हैं के नारे लगाए। साथ ही जंग खत्म करो और फिलिस्तीन में बच्चे जीना चाहते हैं, लिखे पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। हमास के हथियारबंद लड़ाकों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों के साथ मारपीट की और उन्हें अलग-थलग करने की कोशिश की।

टेरर फंडिंग केस... इंजीनियर राशिद संसद जा सकेंगे

नई दिल्ली ■

जम्मू-कश्मीर टेरर फंडिंग केस में तिहाड़ जेल में बंद बारामूला के सांसद शेख अब्दुल राशिद लोकसभा की कार्यवाही में शामिल हो सकेंगे। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को परमिशन देते हुए कहा कि पुलिस 26 मार्च से 4 अप्रैल के बीच इंजीनियर रशीद को संसद लेकर जाएगी और सत्र समाप्त होने के बाद वापस जेल ले जाएगी। इस दौरान वे मीडिया से बातचीत नहीं करेंगे।

राशिद ने लोकसभा की कार्यवाही में शामिल होने के लिए हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। मंगलवार को कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। दरअसल, 19 मार्च को सुनवाई के दौरान ट्रायल कोर्ट ने उन्हें कस्टडी पैरोल देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राशिद ने हाईकोर्ट का रुख किया था। राशिद को 2017 में जम्मू-कश्मीर में आतंकी फंडिंग के आरोप में यूएपीए के तहत अरेस्ट किया गया था। 2019 से वो तिहाड़ जेल में बंद हैं। राशिद ने जेल में रहते हुए ही 2024 लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी।

मुझे बोलने नहीं देते, स्पीकर रोक देते हैं... लोकसभा अध्यक्ष पर भड़के राहुल गांधी

नई दिल्ली ■

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा है। दरअसल, बुधवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा,'सदन में बोलते समय मयार्दा का ध्यान रखा जाना चाहिए। मेरी जानकारी में ऐसी कई घटनाएं आई हैं, जिसमें सदन के आचरण का उल्लंघन किया गया है।'

स्पीकर ने आगे कहा,'मेरा नेता प्रतिपक्ष से निवेदन है कि लोकसभा प्रक्रिया के नियम 349 के तहत सदन में नियमों के मुताबिक आचरण-व्यवहार करें, जो सदन की मयार्दा और आचरण के अनुसार हो। इतना बोलने के बाद स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही को स्थगित कर दिया।'संसद की कार्यवाही स्थगित होने के बाद राहुल गांधी ने स्पीकर पर निशाना साधा। विपक्ष के नेता ने कहा कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है। राहुल ने आगे कहा,'स्पीकर ने पहले मेरे बारे में कुछ कहा। इसके बाद मैं उन्हें जवाब देने के लिए खड़ा हुआ। लेकिन जैसे ही मैंने कहा कि मुझे बोलने दीजिए।

राणा सांगा को गद्दार कहने वाले सपा सांसद के घर करणी सेना का हमला

आगरा ■

राणा सांगा को ह्यगद्दारह्ण कहने वाला सपा सांसद रामजी लाल सुमन के आगरा स्थित घर पर करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने हमला कर दिया. प्रदर्शनकारियों ने उनके घर में घुसने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस और करणी सेना के बीच जमकर मारपीट हुई. इस झड़प में कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए. करणी सेना के कार्यकर्ता सुमन के आवास पर बुलडोजर लेकर पहुंचे. उन्होंने गाड़ियों में तोड़फोड़ की.

रामजी लाल सुमन ने 21 मार्च को राज्यसभा में राणा सांगा को गद्दार बताया था और कहा था कि हिंदू उनके वंशज हैं. इस बयान के बाद वह निशाने पर हैं. देश में कई जगहों पर उनके खिलाफ प्रदर्शन हो रहा है. राजपूत समाज में खासतौर से इसे लेकर नाराजगी है. मंगलवार को राजपूत संगठन ने भोपाल में सपा के ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया. उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव और रामजी लाल सुमन का पुतला फूंका. राणा सांगा के बारे में पोस्टर लगाने को लेकर महापंचायत और सपा कार्यकर्ताओं में तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें अलग किया.

सीएम योगी ने क्या प्रतिक्रिया दी?

समाजवादी पार्टी के सांसद के बयान पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, क्या इतिहास सिर्फ यही लोग जानते हैं जो जिन्ना का महिमामंडन करते हैं?...ये वही लोग हैं जो बाबर, औरंगजेब और जिन्ना का महिमामंडन करते हैं. देश, भारत की विरासत और भारत के महापुरुषों के प्रति इनके भाव क्या होंगे, इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है. सीएम योगी ने आगे कहा कि इन्हें पलटी मारने में देर नहीं लगेगी...ये लोग महाराणा प्रताप, राणा सांगा, छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोविंद सिंह के बारे में क्या जानते हैं? औरंगजेब और बाबर की पूजा करने वाले और जिन्ना को अपना आदर्श मानने वालों से इसकी उम्मीद नहीं की जा सकती.

शिंदे के बाद कॉमेडियन कुणाल की निर्मला सीतारमण पर पैरोडी

मुंबई ■

कॉमेडियन कुणाल कामरा ने बुधवार को नया वीडियो पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर तंज कसा है। कुणाल ने पैरोडी सॉन्ग में गाया कि साड़ी वाली दीदी लोगों की सैलरी लूटने आई हैं और उनका नाम निर्मला ताई है। कुणाल 5 दिन में इस तरह के 3 वीडियो पोस्ट कर चुके हैं। इससे पहले 36 साल के स्टैंडअप कॉमेडियन ने 22 मार्च को अपने शो में एकनाथ शिंदे के राजनीतिक करियर पर कटाक्ष किया था। कामरा ने फिल्म 'दिल तो पागल है' के एक गाने की पैरोडी की थी, जिसमें शिंदे को गद्दार कहा गया।

इसके बाद शिंदे समर्थकों ने उस होटल में तोड़फोड़ की थी, जहां यह शो रिकॉर्ड किया गया था। इसके बाद इस लेकर कुणाल पर एफआईआर दर्ज की गई थी। उन्हें मुंबई पुलिस ने आज ही दूसरा समन भेजा है, क्योंकि वे पहले समन पर पेश नहीं हुए थे। उनके वकील ने 7 दिन का वक्त मांगा था, लेकिन पुलिस ने वक्त नहीं दिया। कुणाल कामरा ने 25 मार्च को एक और नया पैरोडी सॉन्ग सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। हम होंगे कामयाब की लाइन को बदलकर उन्होंने 'हम होंगे कंगाल एक दिन' कर दिया।

सुरंगों में छिपे हैं ईरान के सबसे खतरनाक हथियार

तेहरान ■

ईरान ने अपनी तीसरी अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी का वीडियो जारी किया है। 85 सेकेंड के इस वीडियो में सुरंगों के भीतर मिसाइलें और आधुनिक हथियार दिखाई दे हैं। यह वीडियो ऐसे समय जारी किया गया है, जब डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान को परमाणु प्रोग्राम खत्म करने की चेतावनी की डेडलाइन करीब है।

ईरान के सरकारी मीडिया ने यह वीडियो जारी किया है। इसमें टॉप मिलिट्री कमांडर मेजर जनरल मो. हुसैन बागरी और ईरान रेवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) के एयरोस्पेस फोर्स के चीफ आमिर अली हाजीजादेह नजर आ रहे हैं। वीडियो में दोनों अफसर सेना के वाहन पर सुरंगों के भीतर सफर कर रहे हैं और आसपास ईरान की आधुनिक मिसाइलें और एडवांस वेपनरी दिखाई दे रही है। ईरान की सबसे खतरनाक खैबर शेकेन, कादर-एच, सेजिल और पावेह लैंड अटैक क्रूज मिसाइल भी दिख रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन हथियारों का इस्तेमाल हाल ही में इजराइल पर हमले में किया गया था। ये हथियार खुली और लंबी सुरंगों और गुफाओं में हैं। इसमें कोई ब्लास्ट डोर या अलग दीवार नहीं है।

जज कैश केस- पुलिस ने स्टोर रूम सील किया

एफआईआर की मांग पर सुप्रीम कोर्ट बोला- पिटीशनर बयानबाजी न करें

नई दिल्ली ■

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर जले हुए नोटों के बंडल मिलने के मामले में बुधवार को पुलिस उनके घर पहुंची। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डीसीपी नई दिल्ली देवेश की टीम ने पैसे मिलने वाले स्टोर रूम को सील किया है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ एफआई?आर दर्ज करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने को कहा है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता एडवोकेट मैथ्यूज जे नेदुम्परा को सार्वजनिक बयान न देने का आदेश दिया है।

हालांकि मैथ्यू ने सीजेआई की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने जले हुए नोटों के वीडियो को सार्वजनिक करके अच्छा काम किया है। इसके अलावा दूसरे याचिकाकर्ता ने सीजेआई के निर्णय को चुनौती दी, जिसमें 3 जजों के पैनल को आंतरिक जांच करने को कहा गया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि अगर इतना पैसा किसी बिजनेसमैन के घर पर मिलता तो ईडी और आईटी पीछे पड़ जातीं। उधर, पुलिस ने जस्टिस वर्मा के घर में आग लगने की घटना को लेकर जांच की। वहीं, अधजले नोट मिलने को लेकर कर्मचारियों से पूछताछ की। दरअसल, जस्टिस वर्मा के घर में 14 मार्च को होली के दिन आग लग गई थी। फायर सर्विस की टीम जब उसे बुझाने गई तो स्टोर रूम में उन्हें बोरियों में भरे 500-500 रुपए के अधजले नोट मिले थे।

3 सदस्यीय टीम ने जस्टिस वर्मा के घर की जांच की

सुप्रीम कोर्ट की बनाई हुई तीन सदस्यीय जांच कमेटी ने मंगलवार को जस्टिस वर्मा के घर पहुंचकर जांच की थी। टीम उस स्टोर रूम में भी गई, जहां 500-500 रुपए के नोटों से भरीं अधजली बोरियां मिली थीं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- रेप पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी असंवेदनशील

नई दिल्ली ■

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी है, जिसमें हाईकोर्ट ने कहा था कि नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट पकड़ना और उसके पायजामे के नाड़े को तोड़ना रेप या अटेम्प्ट टु रेप नहीं है। जस्टिस बीआर गवई और एजी मसीह की बेंच ने बुधवार को इस केस पर सुनवाई की। बेंच ने कहा, हाईकोर्ट के ऑर्डर में की गई कुछ टिप्पणियां पूरी तरह असंवेदनशील और अमानवीय नजरिया दिखाती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कहा-

यह बहुत गंभीर मामला है और जिस जज ने यह फैसला दिया, उसकी तरफ से बहुत असंवेदनशीलता दिखाई गई। हमें यह कहते हुए बहुत दुख है कि फैसला लिखने वाले में संवेदनशीलता की पूरी तरह कमी थी। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- सुप्रीम कोर्ट का फैसला पूरी तरह से सही है। कुछ फैसलों को रोकने के कारण होते हैं। दरअसल, एक दिन पहले मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर खुद सुनवाई करने का फैसला किया था। इस फैसले पर कानूनी विशेषज्ञों, राजनेताओं और अलग-अलग क्षेत्रों के एक्सपर्ट्स के विरोध के बाद सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा था। इसी केस पर दायर एक याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया था। इस याचिका में जजमेंट के विवादित हिस्से को हटाने की मांग की गई थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्या कहा था 'किसी लड़की के निजी अंग पकड़ लेना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ देना और जबरन उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश से रेप या 'अटेम्प्ट टु रेप' का मामला नहीं बनता।'

व्यंग्य: हाय कांटा लगा : 'गद्दार' शब्द कांग्रेस की देन : कैसे..?

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

'हाय कांटा लगा और लगा और लगा ही नहीं दिल तक चुभ गया, क्योंकि ये तो होना ही था जब सीधे शब्दों में नेता को गद्दार बोलोगे तो बुरा लगेगा ही, एक पार्टी को छोड़कर दूसरी पार्टी में जाने वाले को दलबदलू कहते हैं अब कॉमेडियन कुणाल कामरा को यह ध्यान रखना चाहिए था. सीधा कलेजे पर तीर मारोगे और वह भी कांग्रेस की देन वाले शब्द ' गद्दार ' का और सोचोगे कि रिएक्शन ना हो तो ऐसा मुमकिन नहीं है, गद्दार शब्द कांग्रेस की देन कैसे यह भी समझते हैं..?

'गद्दार' शब्द से कांग्रेस का नाता : क्या इसलिए विवाद में राहुल गांधी का नाम..?

कॉमेडियन कुणाल कामरा की पेरोडी से उपजे विवाद की आंच मुंबई से इंदौर तक पहुंच गई. मुंबई में जहां नाराज शिव सैनिकों ने कामरा के स्टूडियो में तोड़फोड़ की वहीं इंदौर में एक टायलेट के बाहर शिव सैनिकों ने कामरा का पोस्टर लगाकर विरोध जताया और चेतावनी दी कि इंदौर आए तो कालिख पोतेंगे. वैसे कामरा भूल गए कि' गद्दार' शब्द का गहरा नाता कांग्रेस से रहा है.जिसका सबसे बड़ा प्रमाण कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, कमलनाथ आदि रहे हैं जो वर्षों कांग्रेस में रहे अपने ही नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया को बीजेपी में जाने के बाद से ' गद्दार ' कहा करते थे, क्योंकि वे 22 विधायकों को साथ लेकर बीजेपी में चले गए थे और परिणाम स्वरुप कमलनाथ की सरकार गिर गई थी वैसा ही हश्र महाराष्ट्र में हुआ और बाला साहेब ठाकरे की शिव सेना एकनाथ शिंदे की बगावत से बिखर गई. अब इसमें शिंदे को गद्दार कहना भूल नहीं तो क्या है. दलबदलू कह सकते हैं, क्योंकि यह शब्द राजनीति में कॉमन है, क्योंकि अधिकांश नेता यही करते हैं. और यह करना पड़ता है क्योंकि हमेशा जन प्रतिनिधि ही बने रहेंगे तो निज हित कैसे पूरे होंगे इसलिए पार्टी बदलना पड़ती है अतः ऐसे में गद्दार कहना किसी को भी रास नहीं आएगा और यही बात तो शिंदे गुट के नेता कह रहे हैं कि

अभिव्यक्ति की आजादी का यह मतलब नहीं कि कुछ भी बोलो और वही शब्द बोलो जो कांग्रेस के नेता एक दूजे को बोलते आए हैं.सिंधिया के बाद बीजेपी में जाने वाले अनेक नेता रहे हैं जिन्हें पार्टी के नेता गद्दार कहते रहे हैं.लोकसभा चुनाव 2024 के पूर्व की खबर अनुसार दिल्ली में कांग्रेस के अरविन्दर सिंह लवली, मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष संजय निरुपम, पूर्व मंत्री कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा, कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ, रोहन गुप्ता के अलावा इंदौर में कांग्रेस के अक्षय बम आदि ने कांग्रेस छोड़ दी और अधिकांश बीजेपी में गए. गुजरात कांग्रेस के अर्जुन मोढवाडिया, महाराष्ट्र के अशोक चव्हाण, पंजाब के अमरिंदर सिंह, उत्तराखंड के विजय बहुगुणा, कर्नाटक के एस एम कृष्णा आदि प्रमुख बड़े नेता कांग्रेस छोड़ चुके यानी कांग्रेस की नजर में गद्दार..?खैर कॉमेडियन और नेता में फर्क होता है इस बात को कामरा भूल गए..और उन्होंने कांग्रेस वाले ' गद्दार ' शब्द को एकनाथ शिंदे पर फिट कर दिया और गीत गा दिया कि ' ठाणे की रिक्शा चेहरे पर दाढ़ी, आंखों पर चश्मा हाय !एक झलक दिखलाए कभी, गुवाहाटी में छुप जाए।मेरी नजर से तुम देखो गद्दार नजर वो आए.मंत्री नहीं है वो दलबदलू हैं और कहा क्या जाए, जिस थाली में खाये उसमें ही वो छेद कर जाए।मंत्रालय से ज्यादा फडणवीस की गोदी में मिल जाए।तीर कमान मिला है इसको बाप मेरा ये चाहे।ठाणे की रिक्शा चेहरे पर दाढ़ी, आंखों पर चश्मा हाय! निश्चित ही एकनाथ शिंदे को टारगेट कर गाए ऐसे गीत, क्योंकि शिंदे भी ऑटो चला चुके और फडणवीस से मिल मंत्री बन गए. ऐसे गीत से विवाद बढ़ना था, हालांकि शिंदे गुट इसे प्रायोजित बता रहा है और राहुल गांधी का नाम शिकायत में आने से भी लग रहा है कि ऐसा हो सकता है, क्योंकि महाराष्ट्र में बुरी हार से कांग्रेस उद्धव गुट उबर नहीं सका है. प्रमाण उद्धव ठाकरे कह रहे कामरा ने गलत नहीं बोला, संजय राउत भी वही राग अलाप रहे..जबकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कह रहे यह बर्दाश्त नहीं होगा तो क्या करेंगे, क्योंकि कामरा अभिव्यक्ति की आजादी को अपना अधिकार बता रहे हैं..?

विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा सम्पूर्ण देहदान की घोषणा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड के प्रदेश संपादक वरिष्ठ पत्रकार दिलीप शर्मा की पत्नी एवं स्व. लक्ष्मी नारायण शर्मा, सरस्वती देवी शर्मा की पुत्रवधु एवं स्व. केशरी लाल शर्मा, चमेली देवी शर्मा की पुत्री विजय लक्ष्मी शर्मा ने अपने पति दिलीप शर्मा व पुत्र शुभम शर्मा की सहमति से चिकित्सा क्षेत्र के विधार्थियों के अध्ययन व किसी भी पीड़ित मरीज की अंगदान जरुरत हेतु इंडेक्स हॉस्पिटल खुड़ेल में 12 नवंबर 2024 को सम्पूर्ण देहदान की घोषणा की थी. उल्लेखनीय है कि श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा ने यह घोषणा मध्यप्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रदेश में अंगदान - देहदान प्रोत्साहन व सम्मान योजना के पूर्व ही कर दी थी.विजय लक्ष्मी शर्मा विप्र नारी सेवा संस्था में इंदौर तहसील की प्रभारी हैं.

शिप्रा नदी का कुंड और बाल हनुमान के मोहक दर्शन इंदौर में 125 साल पुराने मंदिर का हुआ जीर्णोद्धार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

योगेंद्र शिलनाथ महाराज, जिन्हें संत शिरोमणि भी कहा जाता है, भारतीय संत और गुरु हैं, जिनका संबंध मध्य प्रदेश के देवास क्षेत्र से है। वे देवास जूनियर रियासत के कुलगुरु माने जाते हैं। शीलनाथ बाबा जयपुर के क्षत्रिय घराने से थे। 1839 में दीक्षा प्राप्ति के बाद बाबा ने उत्तराखंड के जंगलों में कठिन तप किया। इसके बाद उन्होंने देश-देशांतरों के निर्जन स्थानों पर भ्रमण किया।

पाकिस्तान, अफगानिस्तान, रूस, चीन, तिब्बत और कैलाश मानसरोवर होते हुए वे पुनः भारत पधारे। योगेंद्र शिलनाथ महाराज की धूनी (अखंड धूनी) और ज्योत आज भी इंदौर राजकुमार मंडी क्षेत्र में स्थित है। 125 वर्ष पुराने बाबा के समाधि स्थल पर श्रद्धालु नियमित रूप से आते हैं। इसीलिए भक्तों ने मिलकर इस 125 वर्ष पुराने मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया जिससे देश विदेश में स्थित बाबा के भक्त उनके दर्शन के लिए आ सके। राजकुमार मंडी स्थित शिलनाथ कैम्प में बाबा की जीवंत धूनी के साथ ही मां शिप्रा कुंड, बाल हनुमान मंदिर, बेलेश्वर महादेव मंदिर भी पहले से थे जिनका जीर्णोद्धार किया गया एवं मंगलवार से विधि विधान के पश्चात प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारम्भ हुआ। इंदौर स्थित शिलनाथ कैंप में 60 फिट गहरा कुआं और 12 फुट गहरा शिप्रा नदी का कुंड है जिसमें एक प्राचीन शिवलिंग है। ऐसी मान्यता है की जब शिलनाथ महाराज स्वास्थ कारणों के चलते शिप्रा में स्नान करने नहीं जा पा रहे थे तब शिप्रा मां खुद उन्हें दर्शन देने यहां आईं थी तभी से यह कुंड यहां स्थित है। इसकी खास बात यह है की शिप्रा नदी के जलस्तर के बराबर यहां के कुंड में जलस्तर बढ़ता घटता रहता है। शिलनाथ धूनी संस्थान एवं भक्त मंडल के सदस्यों ने बताया की 25, 26 एवं 27 मार्च को होने वाले प्रतिष्ठा महोत्सव में इंदौर के साथ देश के विभिन्न हिस्सों में बसे बाबा के भक्त शामिल होंगे जैसे दिल्ली से हरिनाम महाराज, हनुमानगढ़ राजस्थान से पंचमनाथ महाराज उज्जैन से रामनाथ महाराज, हरियाणा से कृष्णनाथ महाराज एवं समुन्दर नाथ महाराज का आगमन होगा। पहले दिन 25 मार्च को मंडप एवं पंचांग कर्म के अतिरिक्त अण्णाधिवास दोपहर 12 बजे से एवं शाम 7 बजे से सुप्रसिद्ध भजन गायक सुधीर व्यास (ये चमक ये दमक फेम) के मुखारविंद से सुंदरकांड का पाठ हुआ। 26 मार्च को दोपहर जलाधिवास - पुष्पधिवास एवं शाम 7 बजे शिव चरित्रकार ज्ञानेश्वर माऊली कोठूले का कीर्तन एवं अंतिम दिन 27 को भजन गायक किशन भगत (महाकाल की गुलामी फेम) की भजन संध्या होगी।

संपन्न परिवार को त्यागकर तपस्या की राह चुनी

शिलनाथ बाबा का जन्म जयपुर के सम्पन्न परिवार में हुआ था, लेकिन वे संसार के भोग का त्याग कर योगी बन गए। पंजाब के सुल्तानपुर में कान पकड़वाकर नाथ संप्रदाय की दीक्षा ली वे हमेशा अपने साथ एक जलती हुई लकड़ी लेकर चलते थे। बाबा की विश्व प्रसिद्ध राजकीय धूनी देवास में है वे जब देवास से इंदौर आए तो देवास के राजघराने को इस बात का पता चला तो उन्होंने होल्कर शासकों से बात की तो स्थानीय शासको ने यहां की 300 एकड़ जमीन शिलनाथ कैम्प के नाम कर दी, जिसकी जानकारी आज भी दस्तावेजों में मिलती है। संस्थान से जुड़े भक्त बताते हैं कि बाबा से मिलने सेठ हुकुमचंद आए और उन्होंने उस क्षेत्र में मिल लगाने की बात कही तो बाबा ने सहर्ष सहमति देते हुए कहा की भूमि भगवान के भक्तों के उपयोग में आए इससे अच्छी बात क्या हो सकती है। उसके बाद यहां की जमीन पर हुकुमचंद मिल बनाई गई और आगे जाकर यह क्षेत्र मिल क्षेत्र के नाम से जाना जाने लगा।

टैक्स बकाया मामले में गुरुद्वारे का दफ्तर और बैंक ऑफिस सील

सिख समाज ने जताई नाराजगी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में बकाया प्रॉपर्टी, वाटर और सफाई टैक्स के लिए नगर निगम अभियान चला रहा है। वर्षों से जिन संस्थानों ने टैक्स नहीं भरे हैं। उनके खिलाफ सख्ती भी बरती जा रही है। इंदौर में नगर निगम के राजस्व विभाग ने राजवाड़ा क्षेत्र के इमली साहेब गुरुद्वारे का कार्यालय, गुरुद्वारे में संचालित बैंक और अन्य दुकानों पर ताले लगाकर सील कर दिया। यहां की पांच दुकानें सील की गई थी। जब दफ्तर सील होने की खबर गुरु सिख सभा के पदाधिकारियों को मिली तो उन्होंने नाराजगी जताई।

सभा पर 13 लाख रुपये का टैक्स बकाया है। वर्षों से सफाई, जल और संपत्ति कर नगर निगम में जमा नहीं हुआ है। जब कर्मचारी गुरुद्वारे में नोटिस लगाने पहुंचे तो वहां मौजूद सेवादारों ने विरोध जताया, लेकिन कर्मचारी नहीं माने और टैक्स नहीं जमा करने का हवाला देते हुए कार्यालय भी सील कर दिया। श्री गुरु सिंह सभा के सचिव प्रीतपाल सिंह भाटिया ने इस एक्शन पर नाराजगी भी जाहिर की। इसके बाद पदाधिकारी मेयर पुष्य मित्र भार्गव से मिलने पहुंचे और विरोध जताया। मेयर ने कार्यालय की सील खुलवाई और मौके पर पहुंचे दोषी कर्मचारी के खिलाफ एक्शन लेने की बात भी कही। पदाधिकारियों ने टैक्स जमा करने का आश्वासन भी दिया है। राजवाड़ा क्षेत्र में एक मस्जिद की 13 दुकानें भी सील की गई। दुकानदारों ने वर्षों से टैक्स नहीं भरा था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 27 मार्च को आलीराजपुर में सामूहिक विवाह सम्मेलन में होंगे शामिल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 27 मार्च 2025 को आलीराजपुर में जिला स्तरीय सामूहिक विवाह सम्मेलन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर एवं पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास ने खेल परिसर में कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत 1369 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे, जिसमें अलीराजपुर जिले के सभी जनपदों से नागरिक सम्मिलित होंगे। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत प्रत्येक वधू को 49000 हजार रुपए आर्थिक सहायता के रूप में दिए जाएंगे।

कलेक्टर डॉ. बेडेकर की अध्यक्षता में कार्यक्रम तैयारियों के संबंध में सभी सम्बंधित जिला अधिकारियों की बैठक खेल परिसर में आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने हितग्राहियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए की जा रही बैठक व्यवस्था, पानी की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग का स्टाल लगाएं एवं पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने आपातकालीन सुविधा के लिए भी निर्देश दिया। कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने लोक निर्माण विभाग को अग्नि सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए।

रणजीत हनुमान मंदिर में बनेगा भव्य शीश महल, रामनवमी पर होंगे स्वर्णिम दर्शन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

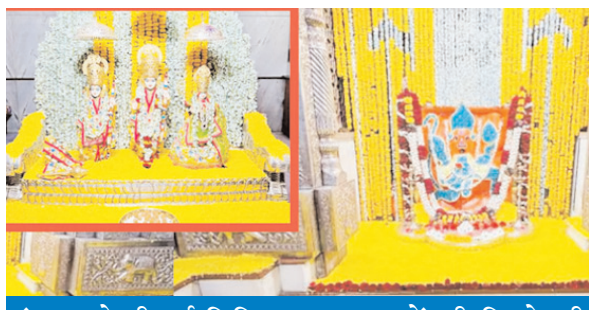

मंडल को दी गई विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी

रामनवमी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए मंदिर में आते हैं, इसलिए सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ बनाने हेतु बीते रविवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में भक्त मंडल के सभी सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इनमें मंदिर परिसर में दर्शन की लाइन की व्यवस्था, पानी, कूलर, शरबत जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इस आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए हर जिम्मेदारी पहले से तय कर दी गई है ताकि भक्तों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

इंदौर के प्रसिद्ध रणजीत हनुमान मंदिर में रामनवमी की भव्य तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इस बार रामनवमी 6 अप्रैल रविवार के दिन आ रही है। इस दिन पर मंदिर को शीश महल के रूप में सजाया जाएगा, जिसमें भगवान श्रीराम अपने भक्तों को भव्य दर्शन देंगे। मंदिर में हर पर्व और आयोजन को विशेष श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है, और इस बार रामनवमी के साथ-साथ हनुमान जन्मोत्सव का पर्व भी पूरे भक्ति भाव और उत्सव के माहौल में मनाया जाएगा। मंदिर प्रबंधन द्वारा बताया गया कि इस बार की सजावट बेहद खास और दर्शनीय होगी।

मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित दीपेश व्यास ने जानकारी दी कि इस विशेष सजावट का कार्य मथुरा-वृंदावन से आने वाले बंगाली कलाकारों की टीम द्वारा किया जाएगा। भगवान श्रीराम के महल की कलाकृति को दर्शाने के लिए शीश के झरोखे, झूमर, पर्दे और डिजाइनर आर्टिकल्स का उपयोग किया जाएगा। इस शीश महल को बनाने के लिए लकड़ी की लगभग 7000 रनिंग फिट की मात्रा, 600 से 700 मीटर कपड़ा और विभिन्न प्रकार के कांच के कट पीस का प्रयोग किया जाएगा, जिससे मंदिर की सुंदरता को और अधिक निखारा जाएगा।

बुधवार को पहुंचेगी मथुरा-वृंदावन की कलाकारों की टीम

पंडित व्यास ने आगे बताया कि बुधवार को मथुरा-वृंदावन से 10 कलाकारों की टीम इंदौर पहुंचेगी, जो मंदिर को सजाने के इस कार्य में जुटेगी। ये सभी कलाकार मंदिर परिसर में ही रुकेंगे और वहीं पर लकड़ी से फ्रेम बनाने का काम करेंगे। फ्रेम तैयार हो जाने के बाद उसमें कपड़ा, शीशे और अन्य सजावटी वस्तुएं जोड़ी जाएंगी। यह पूरा कार्य अत्यंत कलात्मक ढंग से किया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं को एक दिव्य और भव्य अनुभव प्राप्त हो।

झाबुआ में 1932 जोड़ो को आशीर्वाद देंगे मुख्यमंत्री

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर संभाग के झाबुआ जिले में 27 मार्च 2025 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनान्तर्गत विशाल सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. यादव 1932 जोड़ों को सुखद वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वाद देंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नव विवाहित युगल को आशीर्वाद प्रदान कर प्रतीकात्मक रूप से मुख्यमंत्री कन्यादान योजनान्तर्गत 49 हजार रुपए के कन्यादान राशि के चैक भेंट करेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे, जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग, कुपोषण मुक्त झाबुआ के तहत मोटी आई कैम्पैन, मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन गलसन माला, गुड्डा गुड्डी, तीर कमान, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अंतर्गत जिले में उत्पादित टमाटर एवं टमाटर से बने उत्पाद जैसे सुखा टमाटर/टमाटर पाउडर, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, श्री अन्न फसल एवं जैविक उत्पाद, नगर पालिका परिषद झाबुआ वेस्ट टु वेल्थ (200 लीटर ड्रम एवं टायर से ट्रेक्टर, 2.5 लीटर पानी की बोतल से गमले, 15 लीटर तेल के डब्बे एवं बोतल से डस्टबिन तैयार किये गए हैं। कलेक्टर झाबुआ श्रीमती नेहा मीना ने आज कार्यक्रम स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को सौंपे गये दायित्व अनुसार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ समयावधि में कार्य करने के निर्देश दिए।

जन पोषण केंद्रों का शुभारंभ आज

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा पायलट प्रोजेक्ट अंतर्गत उपभोक्ताओं की पोषण सम्बन्धी जरूरतें पूरी हो सके, इसके लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा इंदौर जिले में 30 जन पोषण केंद्र खोले गए हैं। 27 मार्च को इन जन पोषण केंद्रों का शुभारंभ किया जायेगा। मुख्य कार्यक्रम आदर्श महिला शासकीय उचित मूल्य दुकान, जन पोषण केन्द्र, भगत सिंह नगर, बाणगंगा थाने के सामने इंदौर में दोपहर 1 बजे से आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग भारत सरकार के संयुक्त संचालक श्री जय पाटिल, मध्यप्रदेश शासन खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा, कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर पायलट प्रोजेक्ट के भारत सरकार के कंसल्टेंट श्री अभिषेक कुमार, श्री चंद्रपाल यादव एवं खाद्य विभाग की जिले की टीम भी उपस्थित रहेगी। जन पोषण केंद्रों पर मोटे अनाज, दालें, मूंग, उड़द इत्यादि के साथ-साथ अन्य मसाले की सामग्री, ऑर्गेनिक हरी सब्जियां, पनीर, दूध, दही, गिर गाय का शुद्ध घी, महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा पोषण संबंधी मोटे अनाज से बने उत्पाद भी रखे गये हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और लेखिका महादेवी वर्मा की जयंती पर किया नमन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी और हिन्दी की प्रख्यात लेखिका श्रीमती महादेवी वर्मा की जयंती पर सादर नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर की गई पोस्ट में कहा कि प्रकृति, संवेदना और जीवन के विविध आयाम और अनछुए पहलुओं को शब्दों में पिरोकर महादेवी वर्मा ने साहित्य को परिष्कृत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. महादेवी वर्मा की रचनाएं साहित्य ही नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्र की अनमोल धरोहर की तरह हैं।

पारा पहुंचा 40 के पार, इंदौर में चल रही लू, अगले दो दिन छूटेंगे पसीने, प्रदेश के विभिन्न शहरों का तापमान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश में गर्मी का असर अब तेजी से महसूस किया जा रहा है। मंगलवार को रतलाम में पहली बार तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से 4.8 डिग्री ज्यादा रहा। वहीं, धार और शिवपुरी में भी पारा 39 डिग्री के पार दर्ज किया गया। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर जैसे बड़े शहरों में भी तेज धूप और गर्म हवाओं का असर देखा गया। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिन गर्मी और तेज हो सकती है, जिसके बाद तापमान में 1 से 2 डिग्री की गिरावट आ सकती है।

प्रदेश में बीते सप्ताह मौसम का मिजाज अलग ही रहा। लगातार पांच दिन आधे से अधिक जिलों में ओले और बारिश का दौर जारी रहा। हालांकि सोमवार से मौसम ने करवट ली और गर्म हवाओं के साथ तेज धूप की वापसी हुई। इसके चलते प्रदेश भर में दिन का तापमान तीन से पांच डिग्री तक बढ़ गया है। खासतौर पर मंगलवार को रतलाम में रिकॉर्ड गर्मी देखी गई, जहां पारा सीधे 40 डिग्री पर पहुंच गया। यह इस सीजन की अब तक की सबसे अधिक गर्मी है। मंगलवार को प्रदेश के कई शहरों में गर्मी का व्यापक असर देखा गया। मौसम विभाग के अनुसार, धार में तापमान 39.3 डिग्री, शिवपुरी में 39 डिग्री, खजुराहो में 38.8 डिग्री, गुना में 38.6 डिग्री, दमोह और नर्मदापुरम में 38.5 डिग्री, सागर में 38.2 डिग्री और मंडला-टीकमगढ़ में 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रमुख शहरों में ग्वालियर सबसे गर्म रहा, जहां पारा 38.6 डिग्री तक पहुंच गया। उज्जैन में 38.5 डिग्री, इंदौर में 37.6 डिग्री, भोपाल में 37 डिग्री और जबलपुर में 35.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। रात के समय के तापमान में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है।

मालवा-निमाड़ में लू का खतरा

मौसम विभाग ने आने वाले दो दिनों में मालवा-निमाड़ क्षेत्र में लू चलने की संभावना जताई है। इसमें इंदौर और उज्जैन संभाग के जिले जैसे रतलाम, उज्जैन, खरगोन, खंडवा और धार शामिल हैं। इन इलाकों में लू का असर ज्यादा हो सकता है।

ईश्वर किसी भी रूप में आपकी मदद कर सकता है...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

आइए दोस्तों, आज के लेख की शुरुआत एक ऐसी घटना से करते हैं जो आपको दांतों तले उँगली दबाने पर मजबूर कर देगी। एक दिन अचानक ही एक व्यस्त राजमार्ग पर कहीं से एक छोटा सा उल्लू आ गया और कुछ इस तरह उछलकूद करने लगा जिससे कुछ देर के लिए पूरा यातायात ही रुक गया। पहले तो सभी लोगों को लग रहा था कि यह उल्लू पागल हो गया है। इसलिए एक यात्री ने इस बात की सूचना पुलिस हेल्प लाइन को दी, जिसे आगे की कार्यवाही हेतु महिला पुलिस अधिकारी सारा को दिया गया।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

सारा को जब पता चला कि एक छोटा उल्लू सड़क पर बैठा है और यातायात बाधित कर रहा है, तो उसने सोचा कि वह इस पक्षी को हटाकर कुछ ही पलों में सारा ट्रैफ़िक सुचारू कर देगी। लेकिन जब वो घटनास्थल पर पहुँची तो वहाँ का माजरा देख आश्चर्यचकित रह गई। घटनास्थल पर एक छोटा सा उल्लू सड़क के बीचों-बीच खड़ा है और अपने आस-पास ट्रक, बस, कार आदि जैसी विशाल गाड़ियाँ होने के बावजूद भी अपनी जगह से हटने को तैयार नहीं था। इतना ही नहीं वह लगातार अपने मुँह से ज़ोर-ज़ोर से आवाजें निकाल रहा था। उसे जब भी वहाँ से भगाने का प्रयास किया जाता, वह कुछ ही पलों में उड़कर वहीं वापस आ जाता। ऐसा लग रहा था मानो वह कुछ बताने की कोशिश कर रहा हो। उसकी इन अजीब हरकतों को देख जब पुलिस ऑफिसर सारा ने उसे गौर से देखा, तो पाया कि उस उल्लू की एक टाँग में अजीब सी चमकती हुई कोई चीज बँधी हुई है। इससे उन्हें यह स्पष्ट हो गया कि यह सब महज़ एक संयोग नहीं है। सारा ने पूरी सावधानी के साथ उस उल्लू के पास जाने का निर्णय लिया और धीमे कदमों से उसकी ओर बढ़ने लगी। उनकी आशा के विपरीत उल्लू उनसे डर कर भागा नहीं, बल्कि खुद उनकी हथेली पर आकर बैठ गया। जब सारा ने उस उल्लू को नज़दीक से देखा तो पाया कि उसकी टांग पर एक धातु की डोरी बँधी थी, जिसमें एक छोटा सा नीले रंग का पत्थर लगा था, जो हल्की रोशनी में चमक रहा था। इसे देखते ही सारा को एहसास हुआ कि यह कोई साधारण गहना नहीं है। सर्वप्रथम उन्होंने वहाँ मौजूद एक चालक रे की मदद से ट्रैफ़िक को सुचारू करने के लिए दूसरी ओर डायवर्ट किया, जिससे वे इस रहस्यमयी स्थिति को ठीक से समझ सकें। इसके पश्चात सारा ने पक्षी विशेषज्ञ डॉ. स्टीवन मिशेल और अन्य विशेषज्ञों से इस विषय में बात करी तो उन्हें पता चला कि उल्लू की टांग पर बँधी चीज़ महज़ एक आभूषण नहीं, बल्कि एक ट्रेल मार्कर याने एक विशेष पेंडेंट थी जिसे पर्वतारोही अपने रास्ते को चिह्नित करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। इस जानकारी ने पूरी घटना को एक नई दिशा दी जिससे पता चल पाया कि यह पेंडेंट एक गुमशुदा पर्वतारोही रॉबर्ट का था, जो हाल ही में ट्रैकिंग के दौरान लापता हो गया था। धीमे-धीमे अब सारी बातें साफ़ होती जा रही थी और अब सारा और वहाँ मौजूद अन्य लोग समझ गए थे कि उल्लू वहाँ महज़ एक इत्तेफाक से नहीं आया था, उसका मकसद तो लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना था, ताकि वह लापता पर्वतारोही रॉबर्ट को बचा सके। पक्षी विशेषज्ञ डॉ. स्टीवन मिशेल की सलाह पर सारा ने उल्लू की इस अनोखी प्रवृत्ति पर भरोसा करने का निर्णय लिया और उनके साथ ही उल्लू के पीछे-पीछे जंगल की ओर चलने लगी। अब उल्लू उन्हें आगे-आगे उड़कर राह दिखाने लगा। उड़ान के दौरान वह बीच-बीच में टहनियों पर बैठ रहा था मानो वह उन दोनों का इंतज़ार कर रहा हो। उसका व्यवहार किसी अनुभवी मार्गदर्शक की तरह था। इस लंबी थका देने वाली यात्रा के दौरान सारा को पर्वतारोही रॉबर्ट की कुछ चीजें और मिली जिससे उनकी सोच को और ज़्यादा बल मिला। इसमें एक डायरी भी थी जिसमें रॉबर्ट ने उस उल्लू और अपने अनोखे रिश्ते का जिक्र किया था। घंटों की परेशानी भरी यात्रा के बाद सारा और डॉ. स्टीवन मिशेल पेड़ों की ओट में छिपी एक गुफा तक पहुंचे जहाँ उन्हें कमजोर, प्यासा, लेकिन जीवित रॉबर्ट मिला। जब उल्लू रॉबर्ट के पास पहुँचा, तो उसकी आँखों में आँसू थे। इस विषय में बात करने पर रॉबर्ट ने बताया कि यह उल्लू ट्रेकिंग के दौरान उससे जुड़ गया था और उसकी मुश्किल घड़ी में उसे अकेला छोड़कर मदद लाने के लिए निकला था। इसी बात ने उसे उम्मीद दी थी कि कोई ना कोई उल्लू के संकेतों को समझेगा और उसे बचाने आएगा और अंत में उसका भरोसा सही साबित हुआ। रॉबर्ट की इस अनोखी कहानी ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी। अब वह छोटा सा उल्लू एक नायक बन चुका था, जिसने सिद्ध कर दिया था कि प्रकृति और इंसानों का गहरा संबंध अभी भी बना हुआ है। दोस्तों, यह कहानी हमें ना सिर्फ़ उल्लू की बहादुरी बताती है बल्कि याद दिलाती है कि चमत्कार तब होते हैं, जब हम उन्हें देखने और समझने के लिए तैयार रहते हैं, और हाँ, विपरीत दौर में कभी-कभी, मदद वहीं से आती है जहाँ हम उसकी उम्मीद भी नहीं करते। इस नन्हे उल्लू ने साबित कर दिया था कि साहस और सच्ची मित्रता का आकार या अन्य बातों से कोई लेना-देना नहीं होता, मित्रता तो बस दिल की बात होती है। याने सच्चे दोस्त तो बस दिल में बसते हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में अग्नि सुरक्षा के लिए बैठक हुई आयोजित

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज इंदौर शहर में विशेष तौर पर रहवासी इलाकों में अग्नि सुरक्षा के संदर्भ में संबंधित विभागों की बैठक ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में फायर स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

आठ सब फायर स्टेशन बनाए जाएंगे, जिससे कि पूरे शहर को कवर किया जाएगा। इसके साथ-साथ खास तौर पर जी प्लस थ्री से ऊपर के जो भवन हैं और जो हॉस्पिटल, बहुमंजिला रहवासी भवन, मॉल एवं कमर्शियल भवन, सिनेमा भवन, हॉस्टल, होटल, स्कूल हैं, इनके ऊपर विशेष फोकस करेंगे और उसमें जो बेसिक आवश्यकता है उसे पूरा कराएंगे। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि अग्निशमन की चेकिंग के लिए एक विशेष अभियान कल से चलाया जाएगा। बैठक में आयुक्त नगर निगम श्री शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, डीआईजी श्री अमित सिंह, अपर आयुक्त नगर निगम श्री रोहित सिसोनिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि इंदौर में नेमावर रोड, सुपर कॉरिडोर, विजय नगर, स्टार चौराहा, धार रोड आदि स्थानों पर सब फायर स्टेशन स्थापित किये जाएंगे। इन सब स्टेशनों में नये फायर वाहन एवं अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराये जाएंगे। फायर रोबोट, ड्रोन कैमरे एवं फायरकर्मी को फायर सुरक्षा किट प्रदाय किये जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना हेतु 31 मार्च तक

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित कर दी गई है। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का उद्देश्य भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में देश के युवाओं को इंटर्नशिप करने का अवसर प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से युवाओं को 12 महीने तक विभिन्न व्यवसायो और रोजगार के अवसरों में वास्तविक जीवन के कारोबारी माहौल मे कार्य करने तथा संबंधित स्किल सीखने का अनुभव मिलेगा इन शीर्ष कंपनियों की सूची पीएम इंटर्नशिप योजना के पोर्टल पर उपलब्ध है।

नगर निगम में एक और फर्जी बिल घोटाला,11 करोड़ के फर्जी बिल लगाए

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पिछले साल हुए 100 करोड़ के फर्जी बिल घोटाले की जांच अभी पूरी भी नहीं हो पाई है और इंदौर के नगर निगम में एक और फर्जी बिल घोटाला सामने आया है। 11 करोड़ के फर्जी बिल निगम की लेखा शाखा में भुगतान के लिए लगाए गए। निगम अफसरों ने मामला पुलिस को सौंपा है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जिस नींव कंस्ट्रक्शन कंपनी का नया घोटाला सामने आया है। उसका कर्ताधर्ता मोहम्मद साजिद पुराने घोटाले में भी शामिल है और आरोपी भी है। नगर निगम के सहायक लेखपाल आशीष तायड़े की शिकायत पर एमजी रोड थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ है। मार्च में नगर निगम में सबसे ज्यादा बिल लगाए जाते है और इस दौरान घोटाले की आशंका भी बनी रहती है,क्योकि बिलों का सत्यापन ठीक से नहीं हो पाता। साजिद खान की तरफ से 185 बिल लगाए गए। जिसमें डेढ़ सौ से ज्यादा बिल फर्जी निकले। लेखा विभाग ने पुराने घोटाले से सबक लेकर बिलों की जांच शुरू की। यह फर्जी बिल 11 करोड़ रुपये के है। पुराने घोटाले में कंपनी को काली सूची में डाल रखा है। इसके बावजूद पुराने बिल भुगतान के लिए लगाए गए। आपको बता दे कि पिछले साल पांच ठेकेदार एजेंसियों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया था। 100 करोड़ से ज्यादा के पाइप लाइन, सड़क निर्माण के घोटाले का मामला सामने आया था। इस घोटाले में लेखा विभाग के अफसरों के अलावा एक अधीक्षण यंत्री भी शामिल था। घोटाले की फाइल नगर निगम के एक अधिकारी की कार से चोरी चली गई थी। इसके बाद यह घोटाला सामने आया था। अभी इसकी जांच जारी है।

बिजली पोल पर काम कर रहे कर्मचारी की करंट लगने से दर्दनाक मौत, जांच में जुटी पुलिस

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के लसूडिया इलाके में बिजली विभाग में आउटसोर्स कर्मचारी के रूप में कार्यरत एक व्यक्ति की करंट लगने से मौत हो गई। 20 मार्च की रात देवास नाके के पास बिजली लाइन डालने का कार्य किया जा रहा था, तभी अचानक करंट आ गया। करंट लगने से कर्मचारी को जोरदार झटका लगा और वह 25 फीट ऊंचाई से नीचे गिर गया। हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल कर्मचारी को तत्काल बॉम्बे अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसकी नाजुक हालत को देखते हुए एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया गया। मंगलवार रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

काम के दौरान हुआ दर्दनाक हादसा

लसूडिया पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान हरिनारायण (35) पुत्र शिवराम जी अग्रवाल, निवासी अरडिया ग्राम के रूप में हुई है। हरिनारायण पिछले चार वर्षों से एमपीईबी के महालक्ष्मी जोन में बतौर आउटसोर्स कर्मचारी कार्यरत था। घटना के समय वह पोल पर चढ़कर बिजली लाइन का काम कर रहा था, तभी अचानक करंट आने से उसे तेज झटका लगा और वह संतुलन खोकर जमीन पर गिर गया। गिरने के कारण उसके सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी हालत बेहद नाजुक हो गई।

परिवार में छाया मातम

हरिनारायण मूल रूप से शाजापुर जिले के पास के एक गांव का रहने वाला था। उनकी मौत की खबर से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक के परिवार में पत्नी माया अग्रवाल और एक बेटा अनमोल है। इसके अलावा, उसके तीन भाई भी हैं, जो अलग रहते हैं। हरिनारायण अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों का बोझ उठा रहा था, लेकिन इस हादसे ने उनके जीवन को गहरे दुख में डाल दिया है।

पुलिस कर रही है जांच

लसूडिया पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह हादसा महज एक दुर्घटना थी या फिर इसमें किसी की लापरवाही भी जिम्मेदार थी। फिलहाल, घटना से जुड़ी सभी पहलुओं की जांच की जा रही है, ताकि पीड़ित के परिवार को न्याय मिल सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

उज्जैन रोड को बाइपास से जोड़ने वाली एमआर-12 इसी साल बनेगी

आईडीए कराएगा 1500 करोड़ के काम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) का बजट बुधवार को पेश किया गया। इसमें बताया गया कि इस साल सड़क निर्माण, स्टार्टअप पार्क, अनाज मंडी, ब्रिज सहित अन्य विकास कार्यों पर 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। प्राधिकरण ने 88 करोड़ रुपये फायदे का बजट पेश किया है। सबसे ज्यादा राशि 275 करोड़ रुपये सड़क निर्माण पर खर्च की जाएगी। उज्जैन रोड को बाइपास से जोड़ने के लिए इसी साल एमआर-12 सड़क बनाई जाएगी।

मोरोद माचल में बनेगी नई अनाज मंडी

आठ लेन की एमआर-12 सड़क पर छह ब्रिज भी बनेंगे। खंडवा रोड पर मोरोद माचल क्षेत्र में नई अनाज मंडी भी बनाई जाएगी। फिर छावनी मंडी को वहां शिफ्ट कर दिया जाएगा। प्राधिकरण संगीत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए महाविद्यालयों में गैर योजना मद में सभागृह भी बनाएगा। इसके अलावा विद्युतीकरण पर 73 करोड़ और ब्रिजों के निर्माण पर 196 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बड़े आवासीय, व्यावसायिक, स्वास्थ्य और शिक्षा भू-उपयोग के प्लॉट भी बेचे जाएंगे।

एमआर-10 पर नया बस स्टैंड तैयार

संभागायुक्त दीपक सिंह ने बताया कि इस साल शहरवासियों को एमआर-10 पर नए बस स्टेशन और वरिष्ठ जनों के कॉम्प्लेक्स की सुविधा मिल जाएगी। 32 फ्लैटों के इस कॉम्प्लेक्स में वाहनों की पार्किंग के अलावा फिजियोथैरेपी कक्ष, एंबुलेंस सेवा भी रहेगी।

ये काम होंगे इसी साल

- सुपर कॉरिडोर पर स्टार्टअप पार्क बनाया जाएगा। 20 मंजिला बिल्डिंग में छोटी कंपनियों को स्पेस उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा एक कंवेंशन सेंटर और एक होटल भी इस स्कीम में प्रस्तावित है।
- शहर में चार सीएम राइज स्कूल भी प्राधिकरण बनाएगा। इसके लिए बजट में 46 करोड़ रुपये रखे गए हैं। इस योजना में सरकार ने प्राधिकरण को निर्माण एजेंसी बनाया है।
- सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए उज्जैन रोड से बाइपास तक एमआर-12 सड़क बनेगी। इसमें एक बड़ा ब्रिज और छह छोटे ब्रिज भी बनेंगे। यह सड़क आने वाले 50 वर्षों के लिए उपयोगी होगी।
- शहर में स्मार्ट आंगनवाड़ी और स्मार्ट प्राइमरी स्कूल भी प्राधिकरण बनाएगा। इसके अलावा अहिल्य लाइब्रेरी के प्रीतमलाल दुआ सभागृह की मरम्मत भी की जाएगी।
- टिगरिया बादशाह गांव में तालाब का सौंदर्यीकरण भी प्राधिकरण करेगा। इसके अलावा शहर के मच्छी बाजार क्षेत्र में स्थित प्राचीन इंद्रेश्वर महादेव मंदिर व खजूरी बाजार के तुलसीदास मंदिर को भी प्राधिकरण संवारेगा।

मोहित को मिला अमेरिका में नया परिवार अब विदेश में संवर जाएगा भविष्य

जन्मजात स्वास्थ्य समस्या बनी परित्याग का कारण

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

बच्चे के माता-पिता की तलाश रही विफल

संस्था द्वारा लंबे समय तक बच्चे के जैविक माता-पिता को खोजने की कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। झाबुआ जिले की बाल कल्याण समिति ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संजीवनी सेवा संगम संस्था को बच्चे की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी। संस्था में कार्यरत महिला केयरटेकर्स ने उसे अपनी संतान की तरह पाला और उसे हर प्रकार की सुविधा और देखभाल प्रदान की। इस दौरान बच्चे की अच्छी परवरिश के साथ-साथ उसके मानसिक और शारीरिक विकास का भी विशेष ध्यान रखा गया।

छह महीने पहले पेटलावद, झाबुआ के सरकारी अस्पताल में लावारिस हालत में मिले नाबालिग मोहित (परिवर्तित नाम) को आखिरकार एक नया परिवार मिल गया है। बुधवार को यह मासूम अपने नए माता-पिता के साथ अपना जन्मदिन मनाने वाला है। इस दंपति ने न केवल बच्चे को अपनाया है, बल्कि उसे एक नया जीवन और सुरक्षित भविष्य भी प्रदान किया है। पासपोर्ट की औपचारिकताएं पूरी होते ही यह परिवार अमेरिका रवाना होगा, जहां बच्चे को माता-पिता का भरपूर स्नेह और देखभाल मिलेगी।

यह बच्चा क्लेफ्ट पैलेट (कटे तालू) और क्लेफ्ट लिप (कटे होंठ) जैसी जन्मजात स्वास्थ्य समस्या के साथ पैदा हुआ था। जन्म के दो महीने बाद ही उसके जैविक माता-पिता ने उसे पेटलावद के सरकारी अस्पताल में लावारिस छोड़ दिया। इसके बाद बाल कल्याण समिति ने उसे इंदौर की संजीवनी सेवा संगम संस्था को सौंप दिया, जहां उसका इलाज किया गया। संस्था ने न केवल उसका समुचित उपचार करवाया, बल्कि उसे स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज उसी संस्था के प्रयासों से इस मासूम को एक नया परिवार मिल पाया है।

अब अमेरिका में मिलेगा प्यार और सुरक्षित भविष्य

संस्था के अथक प्रयासों के कारण अब यह बच्चा एक अमेरिकी दंपति के परिवार का हिस्सा बनने जा रहा है। बुधवार को दंपति बच्चे के साथ अमेरिका के लिए रवाना होगा। वहां उसे प्यार, सुरक्षा और बेहतर अवसर मिलेंगे, जिससे उसका जीवन संवर सकेगा। यह कहानी समाज में परित्यक्त बच्चों के पुनर्वास की एक प्रेरणादायक मिसाल है, जो दर्शाती है कि यदि सही देखभाल और अवसर मिले तो कोई भी बच्चा उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ सकता है।

मेयर भार्गव बोले- पीएम के विजन को पूरा करने वाला इंदौर, बात विपक्षी भी मानने लगे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर की सफाई व्यवस्था को लेकर कांग्रेस सांसद कार्ति पी. चिदंबरम ने कहा कि चेन्नई के अधिकारी कचरा प्रबंधन सीखने के लिए यूरोप नहीं मध्य प्रदेश के इंदौर जाएं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि चेन्नई के अधिकारी कचरा प्रबंधन तकनीकों का अध्ययन करने के लिए यूरोप का दौरा करेंगे। चेन्नई कॉर्पोरेशन ने पहले भी कई अध्ययन दौरे किए, लेकिन उनसे कोई ठोस बदलाव नहीं दिखा।

उनके बयान पर इंदौर के मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन शुरू किया। उनके मिशन को पूरा करने वाला इंदौर है। इंदौर सफाई मैनेजमेंट में देश के लिए रोल मॉडल है। देश का कोई भी शहर इंदौर आकर सफाई देखना चाहता है। सीखना चाहता है तो उनका स्वागत है। मेयर ने कहा कि चिदंबरम ने चेन्नई की सफाई को लेकर कुछ सवाल उठाए और कहा कि इंदौर जाकर सफाई व्यवस्था देखना चाहिए। उन्होंन अच्छी बात को समझ कर अच्छा करने के लिए कहा है। इंदौर में सबका स्वागत है। प्रधानमंत्री के विजन को पूरा करने वाला इंदौर है। अब तो विपक्षी भी इस बात को मानने लगे है।

मंडियों में टमाटर की बंपर आवक

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

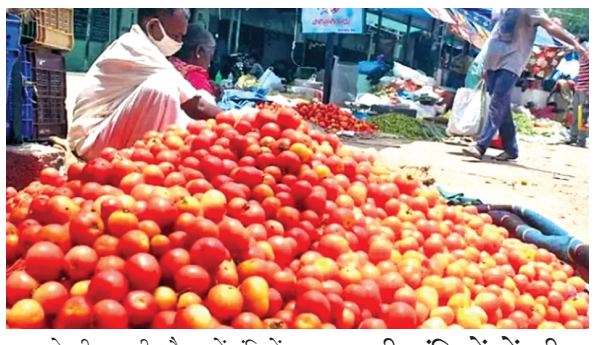

अच्छे भाव मिलने की उम्मीद में ज्यादातर किसानों ने अपने खेतों में टमाटर की फसल बोई है। इसके चलते अब मंडियों में टमाटर की आवक ज्यादा हो गई और डिमांड कम है। जो टमाटर पहले मंडियों में 30 रुपये किलो थोक में मिल रहे थे। अब वे एक-दो रुपये किलो में बिक रहे है। हालत यह है कि किसान मंडियों में टमाटर ला रहे है, लेकिन उचित दाम न मिलने के कारण वे उन्हें मवेशियों को खिला रहे है। किसानों को मंडियों तक टमाटर को परिवहन कर लाना भी महंगा पड़ रहा है।

किसान टमाटरों के उचित दाम नहीं मिलने से नाराज है। इंदौर, पालिया, महू, देवास, उज्जैन सहित आसपास से किसान रोज मंडी में टमाटर ला रहे है। किसान धीरज पाटीदार ने बताया कि खेतों से टमाटर तुड़वाने की मजदूरी और उन्हें मंडियों तक लाने का परिवहन खर्च भी टमाटरों की बिक्री से नहीं निकल पा रहा है। उन्होंने बताया कि एक कैरेट (25 किलो) टमाटर तुड़वाने में 35 रुपये खर्च होते है, लेकिन मंडी में एक कैरेट 40 से 50 रुपये में बिक रहा है। इस कारण किसान खेतों में ही टमाटर सड़ने दे रहे है। खेरची में तो टमाटर 20-25 रुपये किलो मिल रहा है, लेकिन किसानों को पर्याप्त मूल्य नहीं मिल रहा है।

दूसरी मंडियों में भी नहीं मिल रहे है भाव

इंदौर संभाग के खरगोन, बड़वानी, धार क्षेत्र की मंडियों में भी टमाटर की आवक जरुरत से ज्यादा है, लेकिन वहां भी दो-तीन रुपये से ज्यादा के भाव नहीं मिल रहे है। टमाटर की बिक्री नहीं होने और गर्मी के कारण टमाटर सड़ रहे है। किसान उन्हें मंडी में ही छोड़कर जा रहे है। इस साल मौसम टमाटर के अनुकुल रहा।

सपा सांसद सुमन के बयान पर भड़की श्री राजपूत करणी सेना, इंदौर में किया प्रदर्शन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान के विरोध में श्री राजपूत करणी सेना ने इंदौर के राजवाड़ा पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष सहेन्द्र सिंह दिखित के नेतृत्व में करणी सैनिकों ने सांसद की पुतले का किया गौ मूत्र से शुद्धिकरण और उनके बयान की कड़ी निंदा की।

प्रदर्शन से पहले करणी सैनिकों ने सुमन के पुतले की जीब को गौ मूत्र से पवित्र किया और उसके बाद नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। मौके पर जिला अध्यक्ष जयदीप सिंह चौहान, नगर अध्यक्ष नितिन ठाकुर सहित कई करणी सैनिक मौजूद रहे। श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष सहेन्द्र सिंह दिखित ने कहा कि राणा सांगा जैसे वीर योद्धा के खिलाफ अपमानजनक बयान देना सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सांसद रामजी लाल सुमन अपने बयान पर माफी नहीं मांगते, तो उनका विरोध और तेज किया जाएगा। विरोध प्रदर्शन के दौरान करणी सैनिकों ने जय राजपूताना, राणा सांगा अमर रहें के नारे लगाए और सांसद के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। संगठन ने प्रशासन से मांग की कि इस बयान पर संज्ञान लिया जाए और उचित कार्रवाई की जाए।

मंत्री श्री सिलावट ने सांवेर माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना के कार्यों का किया शुभारंभ

सांवेर विधानसभा क्षेत्र में सिंचाई की सुनहरी शुरूआत

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज सांवेर माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का तीन स्थानों पर कार्यों का शुभारंभ किया। 3046.99 करोड़ रुपए की इस परियोजना में सांवेर विधानसभा क्षेत्र के 189 गांवों को सिंचाई के लिए खेतों में पानी मिलेगा। ग्राम कम्पेल, पिवडाय एवं पीपल्दा में कार्य शुभारंभ कार्यक्रम के अवसर पर मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में चहुंओर विकास के कार्य हो रहे हैं।

मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश के हर एक किसान के खेत तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने के लिये कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नर्मदा मैया मध्यप्रदेश ही नहीं राष्ट्र का गौरव है। हमारे राष्ट्र की आत्मा हमारे गाँव में बसती है। जल है तो कल है, जल है तो जीवन है। उन्होंने कहा कि यह अहिल्या माता का प्रताप है, जो उसी की बुनियाद पर नर्मदा का जल हर खेत को मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान राऊ विधायक श्री मधु वर्मा, पूर्व विधायक श्री जीतू जिराती, श्री देवराज सिंह परिहार, श्री रवि रावलिया, जनपद अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया, श्री वीनू चौधरी, श्री मुरली व्यास, जिला पंचायत सदस्य श्री रामेश्वर चौहान, श्री ब्रजमोहन राठी सहित अन्य उपस्थित थे। सिलावट ने बताया कि इस परियोजना से पिवडाय में 1222 हेक्टेयर, कंपेल में 2136 हेक्टेयर तथा पीपल्दा में 1100 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी। आगामी दो वर्षों में इस परियोजना का कार्य पूर्ण कराया जाकर किसानों को सिंचाई के लिए जल उपलब्ध करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना से सिंचाई के लिए 226 ग्राम लाभान्वित होंगे, जिसमें इंदौर जिले की खुड़ेल तहसील के 46 गांव, कनाडिया तहसील के 26 और सांवेर तहसील के 80 ग्रामों के किसानों के खेतों में पानी पहुँचेगा और यहां के किसान लाभान्वित होंगे।

सांवेर माईक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि सांवेर माईक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना की लागत राशि 3046.99 करोड़ रुपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति 05 अगस्त 2021 को शासन स्तर से प्राप्त हुई। इस परियोजना में औंकारेश्वर जलाशय ग्राम बड़ेल के समीप से 31 क्यूमेक्स जल का उद्वहन किया जायेगा। जिसमें से 28 क्यूमेक्स जल 80,000 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचाई के प्रयोजन एवं 3 क्यूमेक्स जल उद्योग एवं पेयजल प्रयोजन हेतु उपयोग किया जायेगा। इस परियोजना से सिंचाई के लिए 226 ग्राम लाभांवित होंगे। जिसमें इंदौर जिले अंतर्गत तहसील खुडेल के 46 ग्राम, (20145 हेक्टेयर), तहसील कनाडिया के 26 ग्राम, (9065 हेक्टेयर) एवं तहसील सांवेर के 80 ग्राम, (लगभग 35576 हेक्टेयर), क्षेत्र लाभांवित होंगे एवं खरगोन जिले अंतर्गत तहसील बडवाह के 51 ग्राम (9336 हेक्टेयर), तहसील सनावद 16 ग्राम, (3664 हेक्टेयर) क्षेत्र लाभांवित होंगे तथा उज्जैन जिले अंतर्गत तहसील उज्जैन ग्रामीण के 7 ग्राम (2214 हेक्टेयर) क्षेत्र लाभांवित होंगे। परियोजना की पर्यावरण स्वीकृति 17 मई 2023 एवं वन स्वीकृति 01 अगस्त 2024 को प्राप्त हो चुकी है। परियोजना के निर्माण कार्य का अनुबंध मेसर्स मेघा इंजीनियरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड हैदराबाद से राशि 2788.53 करोड़ रुपए का 14 जनवरी 2022 को अनुबंध किया गया। परियोजना अंतर्गत वर्तमान में वन क्षेत्र में पेड़ों की कटाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। परियोजना अंतर्गत सांवेर तहसील में ग्राम हतुनिया के समीप यार्ड स्थापित किया गया है। परियोजना अंतर्गत वर्तमान में सांवेर तहसील में लगभग 15 किलोमीटर में लेईंग कार्य पूर्ण किया जा चूका है एवं कार्य प्रगतिरत है।

पावरफुल बनेंगे जिलाध्यक्ष, दिल्ली बुलाए गए कांग्रेस के जिला अध्यक्ष

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश कांग्रेस के सभी जिला अध्यक्षों को दिल्ली बुलाया गया है। बताया गया कि गुजरात में होने वाले अधिवेशन से पहले राष्ट्रीय राजधानी में बैठक होगी। तीन दिन तक पार्टी को मजबूत करने को लेकर रणनीति बनाई जाएगी।

गुजरात में होने वाले अधिवेशन से पहले बैठक बुलाई गई है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के तमाम जिला अध्यक्षों को दिल्ली बुलाया गया है। मध्य प्रदेश सहित देशभर से 750 जिला अध्यक्ष दिल्ली स्थित मुख्यालय में होने वाली बैठक में शामिल होंगे। जहां तीन दिन तक पार्टी को मजबूत करने को लेकर रणनीति बनाई जाएगी। 28 मार्च और 3 अप्रैल को 250-250 जिला अध्यक्षों की बैठक बुलाई गई है। बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पावरफुल बनेंगे। पार्टी आने वाले चुनाव में जिला अध्यक्षों के सुझाव पर प्रत्याशी तय करेगी। आपको बता दें कि दिल्ली ने 16 साल बाद जिला अध्यक्षों की बैठक बुलाई है।

ग्वालियर-इटावा सिक्सलेन हाईवे को लेकर संतों का आंदोलन ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया समर्थन, कहा- जरुरत पड़ी तो...

भिंड ■

पूवोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मंगलवार को जयविलास पैलेस में संत समाज के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। संतों ने ग्वालियर-इटावा सिक्स लेन हाईवे के निर्माण की मांग को लेकर अपनी बात रखी। इस पर सिंधिया ने संतों से आंदोलन समाप्त करने का आग्रह किया, लेकिन संतों ने इसे स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया। संतों ने कहा कि वे अपने अखंड आंदोलन को किसी भी स्थिति में स्थगित नहीं करेंगे।

संतों के इस अडिग रुख के आगे सिंधिया ने उनका समर्थन जताते हुए कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो वे भी इस आंदोलन में शामिल होंगे और सभी संतों को लेकर दिल्ली तक जाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे जल्द ही केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर ग्वालियर से इटावा तक 108 किमी हाईवे को सिक्सलेन में बदलने का अनुरोध करेंगे। संतों ने आगामी 10 अप्रैल को आंदोलन की घोषणा की है और उससे पहले 27 मार्च को भिंड के बरही चंबल पुल से ग्वालियर के जयविलास महल तक जनजागरण यात्रा निकालने का ऐलान किया है। इस यात्रा के संबंध में जब संतों ने चर्चा की, तो सिंधिया ने उन्हें पहले ही महल बुलाकर उनकी मांग को समर्थन दिया और इसे पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास का आश्वासन दिया।

कालीदास ने दिलाया सिंधिया को वादा याद

इस बैठक में अखिल भारतीय संत समाज के जिलाध्यक्ष कालीदास ने सिंधिया को उनके पुराने वादे की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि आपने कहा था कि जब सभी जनप्रतिनिधि और आम लोग एकजुट होकर आएंगे, तो आप भी उनके साथ दिल्ली चलेंगे। आज जनप्रतिनिधि नहीं आए, लेकिन संत आ गए हैं। इस पर सिंधिया ने संतों की मांग को सही ठहराते हुए भरोसा दिलाया कि पहले वे केंद्रीय मंत्री गडकरी के समक्ष इस हाइवे का प्रस्ताव रखेंगे। यदि आवश्यकता पड़ी, तो वे संतों के साथ दिल्ली जाकर भी आंदोलन में शामिल होंगे।

बैठक में शामिल रहे प्रमुख संत और समाजसेवी

इस महत्वपूर्ण बैठक में कई संतों और समाजसेवियों ने भाग लिया, जिनमें हरिनिवास अवधूत चिलोंगा, भूमिया सरकार पीठाधीश्वर हरिओम दास, संत रामभजन दास, संत शिवराम दास त्यागी बाबा, संत रामधुन दास, संत ऋषिदास, संत सतीश गोस्वामी, संत श्याम दास, संत बाल कृष्ण दास सहित भूतपूर्व सैनिक और समाजसेवी शामिल रहे।

आंदोलन अंतिम अंजाम तक पहुंचेगा

इस आंदोलन में दंदरौआ धाम के महंत रामदास भी सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। वे पूर्व सैनिकों और समाजसेवियों के साथ सिंधिया से मिलने पहुंचे थे। महंत रामदास ने बताया कि सिंधिया ने ग्वालियर-इटावा हाईवे को सिक्स लेन में बदलने के लिए पूरा प्रयास करने का आश्वासन दिया है। संतों ने सड़क दुर्घटनाओं और गायों की मौत का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि इस सड़क पर असुरक्षित यात्रा के कारण कई नौजवानों की मौत हो रही है, जिसे रोकने के लिए हाइवे को चौड़ा किया जाना आवश्यक है। सिंधिया ने संतों की इस चिंता को गंभीरता से लेते हुए दंदरौआ धाम के लिए टू-लेन सड़कों के प्रस्ताव को भी बनवाने का भरोसा दिया। जब भिंड के नेताओं की निष्क्रियता पर सवाल उठा, तो दंदरौआ महंत ने कहा, ऐसा नहीं है, देवताओं का आशीर्वाद लेना भी आवश्यक होता है। जनप्रतिनिधियों को भी इस दिशा में ठोस प्रयास करने चाहिए।

संतों का संकल्प- आंदोलन जारी रहेगा

संतों का कहना है कि सिंधिया के समर्थन से उनका हौसला और मजबूत हुआ है। अब यह आंदोलन अपने अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करके ही रुकेगा। उन्होंने दोहराया कि वे अखंड आंदोलन की राह से पीछे नहीं हटेंगे और जब तक ग्वालियर-इटावा सिक्स लेन हाईवे का निर्माण शुरू नहीं होता, वे संघर्ष जारी रखेंगे।

25000 रुपए रिश्वत लेते बिजली विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजी. को लोकायुक्त ने पकड़ा..

देवास ■

मध्यप्रदेश में रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। लगभग हर दूसरे दिन कहीं न कहीं लोकायुक्त रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ रही है लेकिन इसके बावजूद रिश्वतखोर बाज आते नजर नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला मध्यप्रदेश के देवास जिले का है जहां बिजली विभाग के कार्यपालन यंत्री को 25000 रुपए की रिश्वत लेते लोकायुक्त की टीम ने रंगेहाथों पकड़ा है।

70 हजार रुपए मांगी थी रिश्वत

बुधवार को देवास जिले के सोनकच्छ में बिजली विभाग के

कार्यपालन यंत्री आनंद कुमार अहिरवार को उज्जैन लोकायुक्त की टीम ने 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथों पकड़ा है। बिजली विभाग के सोनकच्छ में ही आउटसोर्स कर्मचारी पुष्पराज राजपूत ने लोकायुक्त को की शिकायत में बताया था कि उसकी बोलेरो गाड़ी सोनकच्छ बिजली विभाग में किराए से अटैच है जिसका हर 11 माह में टेंडर होता है। इस बार उसकी गाड़ी अटैच करने के एवज में उससे 70 हजार रुपए कार्यपालन यंत्री आनंद कुमार रिश्वत मांग रहा है।

25 हजार रुपए लेते रंगेहाथों पकड़ा

आवेदक पुष्पराज ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर आनंद कुमार के द्वारा रिश्वत मांगे जाने की शिकायत उज्जैन लोकायुक्त कार्यालय में की थी। लोकायुक्त ने शिकायत की जांच की और शिकायत सही पाए जाने पर जाल बिछाकर रिश्वत के 25 हजार रुपए देने के लिए आवेदक को रिश्वतखोर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर आनंद कुमार के पास भेजा। जैसे ही आनंद कुमार ने सोनकच्छ बिजली विभाग के दफ्तर में रिश्वत ली तो लोकायुक्त की टीम ने उसे रंगेहाथों पकड़ लिया।

एकादशी पर खाटू श्याम का सजा फूलों का बंगला

भोपाल ■

पापमोचनी एकादशी पर्व पर शहर के खाटू श्याम मंदिरों में फूलों से साज सज्जा की गई और खाटू श्याम का आकर्षक श्रृंगार किया गया। दर्शन के लिए यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, अनेक श्रद्धालुओं ने व्रत रखा। हर एकादशी पर खाटू श्याम का बंगला सजाया जाता है।

एकादशी के मौके पर मां वैष्णोधाम आदर्श नौ दुर्गा मंदिर परिसर के खाटू श्याम मंदिर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस मौके पर मंदिर में भगवान लक्ष्मीनारायण के समक्ष श्रीसूक्त का पाठ किया गया। इसके साथ ही अलग-अलग रंगों के फूलों से खाटू श्याम का श्रृंगार कर दीप प्रज्जवलित की गई। इस मौके पर भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए गए। इसके बाद भजन संध्या का आयोजन हुआ, मंदिर के व्यवस्थापक पं. चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि इसमें भजन गायक अमितानंद ने संगीतमय भजनों की प्रस्तुति दी। सर्वधर्म कोलार के खाटू श्याम मंदिर में कतारे कोलार के सर्वधर्मी स्थत खाटू श्याम मंदिर में एकादशी के मौके पर सुबह से रात्रि तक दर्शनार्थियों की भीड़ लगी रही। मंदिर में फूलों से साज सज्जा कर आकर्षक श्रृंगार किया गया। मंदिर के शंभू गोस्वामी ने बताया कि मंदिर में एकादशी के मौके विशेष पूजन अनुष्ठान हुए। दर्शन का सिलसिला रात्रि तक चलता रहा।

तीसरी से लेकर एलएलबी पास बदमाशों ने साइबर जालसाजों को 40 बैंक खाते बेचे

भोपाल ■

भोपाल क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे गिरोह का खुलासा किया है जिसमें तीसरी कक्षा पास से लेकर आठवीं और बीए, एलएलबी के छात्र भी शामिल हैं। ये सभी ऑनलाइन जॉब के नाम पर लोगों के बैंक खाते खुलवाते और मोटी रकम लेकर साइबर जालसाजों को ये खाते बेच देते थे। क्राइम ब्रांच ने चार बदमाशों को गिरफ्तार कर साइबर जालसाजों को 40 बैंक खाते बेचने का खुलासा किया है। आरोपियों से पूछताछ में साइबर जालसजों के बड़े नेटवर्क का खुलासा हो सकता है।

एडीसीपी क्राइम ब्रांच शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि ये बदमाश भोले-भाले ग्रामीणों को पैसों का

लालच देकर बैंक में खाते खुलवाते और साइबर जालसाजों को बेच देते थे। कुछ बदमाशों ने ऑनलाइन जॉब के नाम पर लोगों से खाते खुलवाए और साइबर जालसाजों को बेच दिए। तीसरी पास आरोपी ने पैसों के लिए खुद का एक बैंक खाता भी साइबर जालसाजों को किराए पर दे दिया है।

करोड़ों का लेनदेन

उन्होंने बताया कि जांच के बाद रोहित जायसवाल निवासी देवास को पकड़ा और पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह ठगी गई रकम को क्रिप्टो करेंसी में बदलने का कार्य करता है। वह देशभर के ठगों को किराये पर बैंक खाते उपलब्ध कराता था, जिसके बदले में उसे पांच से सात हजार रुपये प्रति बैंक खाता साइबर फ्रॉड करने वाले बाहरी बदमाश उपलब्ध कराते थे। चौहान ने बताया कि आरोपियों को बेचे गए बैंक खातों से करोड़ों रुपये का ट्रांजेक्शन हो चुका है। इन बैंक खातों की गहनता से जांच की जा रही है और पता लगाया जा रहा है कि इन बैंक खातों से विदेशों में कितना ट्रांजेक्शन किया गया है।

ऑनलाइन जॉब के नाम पर ठगा

एडीसीपी चौहान ने बताया कि नेहरू नगर निवासी अरुण प्रकाश चौधरी ने अक्टूबर महीने में शिकायत की थी कि उनके बैंक खाते से 16.70 लाख रुपये की ठगी हो गई है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन जॉब के नाम पर ठगों ने मोबाइल में लिंक भेजकर एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा और घर बैठे ऑनलाइन टास्क पूरा करने के बहाने डिटेल प्राप्त की और रकम ठग ली। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो रोहित जायसवाल निवासी देवास पकड़ा गया। रोहित की निशानदेही पर उज्जैन निवासी बीए पास नीतेश चौहान और मंदसौर निवासी आठवीं पास कुलदीप मेघवाल को पकड़ा। ये दोनों कमीशन लेकर लोगों के बैंक खाते खुलवाते और रोहित के जरिए जालसाजों को बेचते थे। इसी गिरोह में उज्जैन निवासी लाल सिंह भी शामिल है। वह कक्षा तीसरी तक पढ़ा है। उसने तो अपना बैंक खाता ही कमीशन लेकर ठगों को किराये पर दे रखा है। पुलिस गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

अप्रेल में एमपी आएंगे पीएम नरेंद्र मोदी

भोपाल। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अप्रेल में मध्यप्रदेश का दौरा प्रस्तावित है। वे अशोकनगर जिले में आ सकते हैं। प्रधानमंत्री के संभावित दौरे को देखते हुए जिले में तीन हेलीपेड बनाए जा रहे हैं। हालांकि पीएम के दौरे की तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं लेकिन इसके लिए तैयारियां तेजी से चल रहीं हैं। ईसागढ़ के पास आनंदपुर ट्रस्ट में प्रधानमंत्री के आने की संभावना है जहां बैशाखी पर मेला लगता है। कलेक्टर-एसपी सहित जिले के कई अधिकारी मंगलवार को आनंदपुर पहुंचे और साढ़े तीन घंटे से अधिक समय तक निरीक्षण किया। इस दौरान हेलीपेड और कार्यक्रम के लिए स्थान देखा गया। आनंदपुर आश्रम अद्वैत मत का मुख्य मठ है। वहां बैशाखी का मेला लगता है। इस दौरान बड़ी संख्या में भारत सहित अन्य कई देशों से हजारों संगतें आती हैं।

पांच साल में बजट दोगुना करेंगे, नया टैक्स नहीं लगाएंगे मुख्यमंत्री ने कहा- हरसंभव तरीके से जनता की आय बढ़ाएंगे

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को भोपाल उत्सव मेला समिति द्वारा आयोजित नागरिक सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के चहुंमुखी विकास में मध्य प्रदेश का योगदान अव्वल रहेगा।

भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में मध्य प्रदेश पीछे नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि हम विरासत से विकास की ओर बढ़ रहे हैं। अगले पांच साल में हम प्रदेश का सालाना बजट दोगुना कर देंगे। कोई नया टैक्स नहीं लगाएंगे

बल्कि नागरिकों की आय बढ़ाकर अपने बजट को बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि भोपाल की प्राकृतिक संपदा और इसके पुरा-इतिहास के संवर्धन में कोई कसर नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि उनका सौभाग्य है कि उन्हें जनता की सेवा का अवसर मिला है।

भोपाल को एक सुंदर मेट्रोपॉलिटन सिटी बनाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम भोपाल को एक सुंदर मेट्रोपॉलिटन सिटी बनाएंगे। भोपाल शहर में सभी दिशाओं से आने वाली सड़कों में नगर द्वार बनाए जाएंगे। भोजपुर मंदिर रोड पर 'भोज द्वार' और इंदौर-उज्जैन मार्ग पर विक्रमादित्य के सुशासन के प्रतीक स्वरूप 'विक्रम द्वार' बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीआईएस में विश्वभर के उद्योगपति भोपाल आए। भोपाल आकर उन सभी को आनंद आ गया, क्योंकि यहां की झीलें, तालाब और यहां की संस्कृति जीवंत है, यही हमारी पूंजी है। उन्होंने कहा कि भोपाल देश का एकमात्र राजधानी क्षेत्र है, जहां मानव और बाघों के सह-अस्तित्व का अनोखा और अद्वितीय उदाहरण विद्यमान है। भोपाल शहर के समीप ही रातापानी अभयारण्य है। यहां दुर्लभ बाज मिलने की भी पुष्टि हुई है। यह हमारी राजधानी को और भी आकर्षक बनाते हैं। उन्होंने कहा कि हम भोपाल शहर का सतत सौंदर्यीकरण कर रहे हैं। हम भोपाल की विरासतों को चिरस्थायी बनाए रखेंगे। भोपाल उत्सव मेला समिति द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सम्मान किया गया। भोपाल के 35 से अधिक व्यापारी संघों, उद्योगपतियों एवं समाजसेवियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का होली मिलन समारोह में आत्मीय सम्मान कर उन्हें जन्मदिन की बधाई भी दी। भोपाल में पहली बार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) आयोजित करने और अपनी कुशलता व कर्मठता से जीआईएस को सफल बनाने के लिए भोपाल मेला उत्सव समिति द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रशस्ति (सम्मान) पत्र दिया गया।

मुस्कान के बाद ग्वालियर की रजनी... प्रेमी के साथ पकड़ा तो चढ़ा दी कार..

ग्वालियर ■

मेरठ में मुस्कान ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति सौरभ को जिस तरह से बेरहमी से मौत के घाट उतारा उससे सभी का दिलदहल उठा। अब कुछ इसी तरह का मामला मध्यप्रदेश के ग्वालियर से सामने आया है। यहां मुस्कान की जगह रजनी है जिसे जब पति ने प्रेमी के साथ रंगेहाथों पकड़ा तो प्रेमी ने उसे कार से कुचल दिया। हालांकि पति की किस्मत अच्छी थी उसे चोट तो आई है लेकिन उसकी जान बच गई है। ये पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है तो जो कि रोंगटे खड़े कर देने वाला है।

पीठ पर गहरा जख्म और हाथ

पैरों में चोट के निशान लिए बुधवार को अनिल पाल नाम का युवक एसपी ऑफिस पहुंचा। जहां उसने बताया कि उसकी शादी करीब 9 साल पहले टेकनपुर की रहने वाली रजनी के साथ हुई थी उनके तीन बच्चे हैं लेकिन भी रजनी और उसका रिश्ता ठीक नहीं चल रहा है। रजनी ससुराल में कम और अपने मायके में ज्यादा रहती है उसे इस बात पर शक हुआ तो उसने अपने स्तर पर पड़ताल की तो पता चला कि पत्नी रजनी का मायके के पड़ोस में रहने वाले मंगल सिंह से कुशवाह से अफेयर है। कई बार रजनी को समझाया लेकिन वो नहीं मानी और मायके के नाते बोलचाल का रिश्ता होने की बात कहकर झूठ बोल देती। पति अनिल के मुताबिक 20 मार्च को रजनी पेट दर्द का बहाना बनाकर जौरासी इलाज कराने की बात कहकर घर से निकली। जिसके बाद उसने रजनी को रंगेहाथों पकड़ने का सोचा और झांसी रोड बस स्टेंड पर जाकर रजनी के आने का इंतजार करने लगा। शाम को रजनी मंगलसिंह के साथ कार से आती दिखी।

कला के मंच भी करते हैं दुनिया को सचेत

आज विश्व रंगमंच दिवस है। रंगमंच कला के महत्व की जागरूकता बढ़ा जश्न मनाने का दिन है। रंगमंच शब्द ग्रीक शब्द थिएट्रॉन से लिया गया है जिसका अर्थ है देखने की जगह। भारत में रंगमंच का इतिहास बहुत पुराना है। भरत मुनि को नाट्यशास्त्र के लिए जाना जाता है। हमारे रंगमंचीय इतिहास बहुत पुराना है। शुरू से यही वो माध्यम है जिसे समझकर उसके सौंदर्य और महत्व, के साथ मनोरंजन के माध्यम से दैनिक जीवन में जश्न यानी खुशी प्रदर्शित की जाती है। विश्व रंगमंच दिवस इसी का प्रतीक है। रंगमंच वह विधा भी है जिससे दुनिया भर की सरकारों, राजनेताओं, संस्थानों और हितधारकों को भी मंच के जरिए सूचित व सचेत किया जाता है कि समाज की ऐसी संस्थाओं और लोगों के प्रति कैसी जनधारणा है।

ऋतुपर्ण दवे
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

वास्तव में यह अभिव्यक्ति की वह कला है जिसमें कलाकार वास्तविक जीवन या घटनाओं का एक तरह से नाट्य रूपांतरण यानी रिक्रिएशन करते हैं, दोहराते और याद दिलाते हैं। इसे मनाने की शुरूआत 1961 से हुई थी। 27 मार्च, 1962 को, विश्व रंगमंच दिवस अंतरराष्ट्रीय रंगमंच संस्थान केंद्रों, उसके सहयोगी सदस्यों, रंगमंच पेशेवरों और रंगमंच संगठनों द्वारा मनाया गया। अब, यह दिन विश्व के 90 से अधिक केंद्रों में मनाया जाता है, जिसमें दुनिया भर के रंगमंच विश्वविद्यालय, अकादमियाँ, स्कूल और रंगमंच प्रेमी शामिल होते हैं। संस्कृति, शिक्षा, शांति और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है इस दिन एक विशेष संदेश जारी किया जाता है, जो किसी प्रमुख रंगमंच हस्ती द्वारा लिखा जाता है। यह संदेश रंगमंच की भूमिका और इसके सामाजिक प्रभाव पर प्रकाश डालता है। हर वर्ष इसकी एक अलग थीम होती है। इस बार की थीम रंगमंच और शांति की संस्कृति है। जैसा कि नाम से ही साफ है, इस झुलसती और तृतीय विश्व युध्द की आहट के बीच बढ़ रही दुनिया को बड़ा संदेश देना उद्देश्य है। जैसा कि साफ है रंगमंच या थिएटर प्रदर्शन वास्तव में कला के जरिए जीवंत प्रस्तुति,अभिव्यक्ति, स्वीकरण या अस्वीकरण का वह तरीका है जिसमें कलाकार किसी वास्तविक या काल्पनिक घटना के अनुभव को किसी विशिष्ट स्थान, पर आकर सामने नाट्या प्रदर्शन करते है। यह न तो रिकॉर्डेड होता है न ही बार-बार के रिटेक जैसी सुधार की संभावनाएं होती है। वास्तव में जीवंत प्रदर्शन बड़ी चुनौती सरीखे होती है जिसे कलाकार साक्षात प्रस्तुत कर उसमें जीते हुए दिखते हैं। जो बहुत ही आनन्दित करता है। निश्चित रूप से यह

न केवल कठिन कार्य है बल्कि अभिनय की वह चुनौती है जिसे सामने बैठे दर्शकों के समक्ष मंच पर कलाकार करते हैं। एक तरह आज की भाषा में यह लाइव प्रदर्शन ही है। अपने संवाद, हाव-भाव, भाषण, गीत, संगीत और नृत्य के संयोजन से की जा रही जीवंत प्रस्तुतियों का दर्शकों पर एक अलग छाप व प्रभाव पड़ता है ।ऐसे मंचन समाज के लिए न केवल बड़े संदेश देते हैं बल्कि कला के तत्व, और कृत्रिम संसाधनों जैसे चित्रित दृश्य और स्टेज क्राफ्ट व प्रकाश व्यवस्था का उपयोग कर वो अनुभव की भौतिकता, उपस्थिति और तात्कालिकता भी बढ़ाते हैं। समय के साथ-साथ इसमें काफी बदलाव भी आया है। आधुनिक रंगमंच में नाटकों और संगीत थिएटर का प्रदर्शन भी शामिल होने से यह और भी आकर्षक और लोकप्रिय होते जा रहे हैं। रंगमंच कला भी कई रूप ले चुकी है। बैले और ओपेरा थिएटर की वो प्रस्तुतियां बन गईं हैं जिसमें पारंपरिक रूप से किए जाने अभिनय, वेशभूषाओं का उपयोग किया जाता है। समय के साथ इस कला का भी विकास आधुनिक होते हुए भी काफी हद तक पारंपरिक भी है। यह दिन थिएटर कला के महत्व और मनोरंजन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इस बात पर प्रकाश डालने के लिए भी मनाया जाता है ताकि उनका उपयोग शांति और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कैसे किया जा सकता है। वास्तव में एक खास दिन इसको समूचे विश्व में एक साथ मनाने के पीछे भी बहुत बड़ी और व्यापक सोच है। रंगमंच के मूल्य के बारे में जागरूक करना, रंगमंच समुदायों को अपने काम को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने में सक्षम बनाना, दुनिया भर के रंगमंच कर्मियों और संगठनों को आपस में जोड़ना और एक-दूसरे परिचित कराना। विश्व में अलग-अलग रूपों में प्रचलित रंगमंच विधाओं का न केवल आनंद लेना बल्कि दूसरों के साथ आनंद साझा करना है। वास्तव में विश्व रंगमंच दिवस हमें रंगमंच के विभिन्न रूपों का जश्न मनाने और हमारे समाज में उनके महत्व की सराहना करने का मौका भी देता है। सच में, रंगमंच वह कला है जो सदियों से जीवित है और सदियों तक रहेगी भी। भले ही समाज, विकास और तकनीक में कितने भी उतार-चढ़ाव आए हों लेकिन मूल भावना अब भी जीवन्त है। समय के साथ बदलाव के बावजूद रंगमंच की भावना जस की तस है। यह हर तरह की कलाओं को शिक्षा में समाहित कर, मनोरंजन के जरिए लोगों तक पहुंचाती है। अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच दिवस इसी लक्ष्य की पूर्ति करता है तथा रंगमंच समुदाय नाटक और संगीत के प्राचीन शिल्प को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक वर्ष प्रदर्शन, व्याख्यान और पुरस्कार प्रस्तुतियों की योजना बनाता है। निश्चित रूप से रंगमंच समाज में जागरूकता और चेतना का बड़ा जरिया है। आज नुक्कड़ नाटकों के जरिए दिए जाने वाले संदेश काफी प्रभाव छोड़ते हैं। यह समाज के लिए सचेतक जैसे होते हैं। विश्व रंगमंच दिवस का उद्देश्य इसे जीवित रख और उन्नत बनाना है ताकि यह अपनी-अपनी भाषाओं, लोकगाथाओं, लोक कलाओं के जरिए वो संदेश दे सके जो मानवता के लिए अपरिहार्य, हितकारक और शांति-सद्भाव को बनाए रखने में सहायक हो।

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

वित्तीय वर्ष समाप्ति में महज 6 दिन शेष, राजस्व वसूली लक्ष्य पूरा करने विभागों की माथापच्ची

कटनी ■

वित्तीय वर्ष 2024-25 की समाप्ति में अब केवल 6 दिन का समय शेष है। ऐसे में जिले के राजस्व वसूली से जुड़े विभागों के सामने अपने निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने की चुनौती खड़ी हो गई है। लक्ष्य को पूरा करने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी पूरे जोरशोर से जुटे हुए हैं। विभागों के कार्यालयों में लगातार बैठकों का दौर जारी है और कर्मचारियों में तनाव का माहौल देखा जा रहा है। आबकारी विभाग, खनिज विभाग, पंजीयन विभाग, परिवहन विभाग, नगर निगम और बिजली विभाग जैसे महत्वपूर्ण विभागों के सामने लक्ष्य प्राप्ति का दबाव साफ नजर आ रहा है। कई विभाग अपने अधूरे राजस्व लक्ष्य को पूरा करने के लिए सघन कार्रवाई कर रहे हैं। नगर निगम और बिजली विभाग के अधिकारी ज्यादा माथापच्ची कर रहे हैं। अभियान चलाकार कार्रवाई की जा रही है।

कर्मचारियों में दिख रहा तनाव

लक्ष्य पूरा करने का दबाव अब कर्मचारियों पर भी साफ दिख रहा है। हर विभाग के अधिकारी अपने अधीनस्थों को लक्ष्य पूरा करने के सख्त निर्देश दे रहे हैं। वहीं विभागीय कर्मियों का कहना है कि निर्धारित समय में लक्ष्य पाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन वे अंतिम समय तक प्रयासरत रहेंगे। अब देखना यह होगा कि शेष 6 दिनों में जिले के यह विभाग अपने निर्धारित लक्ष्य को पूरा कर पाते हैं या नहीं। फिलहाल राजस्व वसूली को लेकर हर स्तर पर तेज प्रयास जारी हैं।

5 करोड़ पीछे खनिज विभाग

खनिज विभाग द्वारा भी लक्ष्य को पूरा करने के लिए कवायद की जा रही है। विभाग को वित्तीय वर्ष में 165 करोड़ रुपए का लक्ष्य तय किया गया था। विभाग द्वारा अबतक 160 करोड़ रुपए जमा करा दिए गए हैं। 5 करोड़ रुपए की राशि शेष है। इसी प्रकार रेत में 70 करोड़ रुपए की रायलटी जमा होना है। अबतक 18 करोड़ रुपए जमा हो गए हैं। विभाग द्वारा इस लक्ष्य को पूरा करने प्रयास किया जा रहा है। हालांकि इस संबंध में जिला खनिज अधिकारी का कहना है कि लक्ष्य 135 करोड़ का लक्ष्य था, फिर संशोधित करके 165 करोड़ रुपए कर दिया गया था।

परिवहन विभाग में 8 करोड बकाया

परिवहन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी राजस्व वसूली को लेकर माथापच्ची कर रहे हैं। विभाग द्वारा कटनी जिला को 58 करोड़ रुपए के राजस्व की प्राप्ति का लक्ष्य दिया था। आरटीओ संतोष पाल ने बताया कि अबतक 50 करोड़ रुपए के राजस्व की वसूली की जा चुकी है। 8 करोड़ रुपए जमा कराने पहल जारी है। बता दें कि आरटीओ में रोड टैक्स, ट्रेड टैक्स, पुरानी गाडियों का टैक्स, बसों का टैक्स, लाइसेंस फीस, नए वाहनों का पंजीयन फीस, रजिस्ट्रेशन नवीनीकरण आदि की राशि जमा होती है, जिसे जमा कराने अधिकारी-कर्मचारी जुटे हुए हैं।

बिजली कंपनी टारगेट से बहुत पीछे

बिजली कंपनी वसूली में अभी काफी पीछे चल रही है। लगातार टीमें शहर से लेकर जिलेभर में सक्रिय हैं, लेकिन बिल नहीं जमा करा पा रही हैं। कनेक्शन काटने व कुर्की की कार्रवाई के बाद भी बात नहीं बन रही। बता कि मार्च माह में कंपनी को 40 करोड़ रुपए की वसूली करना था, लेकिन अभी तक सिर्फ 16.50 करोड़ रुपए ही वसूला गया है। विभाग अभी लक्ष्य से काफी पीछे चल रहा है। पुरानी वसूली में अधिक बकाया है। बता दें कि जिलेभर में 145 करोड़ रुपए बकाया है, जो कंपनी नहीं वसूल पा रही है।

नगर निगम भी लगा रहा ऐड़ी-चोटी

वित्तीय वर्ष की समाप्ति को लेकर नगर निगम द्वारा भी राजस्व वसूली को लेकर ऐड़ी-चोटी का जोर लगाया जा रहा है। बता दें कि नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा 14 करोड़ रुपए के राजस्व वसूली का लक्ष्य तय किया गया था। अबतब नगर निगम ने पौने 11 करोड़ रुपए की वसूली कर ली है। पुराना 20 करोड़ रुपए बकाया था, जिसकी भी वसूली चल रही है। जलकर में 5.5 करोड़ रुपए का लक्ष्य दिया गया व पुराना 25 करोड़ रुपए बकाया है। जिसमें भी 6 करोड़ रुपए से अधिक की वसूली हो गई है। शेष वसूली के लिए प्रक्रिया जारी है। राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक ने कहा कि 31 मार्च तक के लिए नेशनल लोक अदालत की तर्ज पर 100 फीसदी पेनाल्टी में छूट मिल रही है। जो बकायादार 31 मार्च तक राशि जाम नहीं करेंगे, फिर टैक्स की राशि दोगुनी हो जाएगी। करदाताओं के स्वयं के आवासीय उपयोग वाली संपत्तियों के संपत्ति कर में 50 प्रतिशत की रियायत दी जाती है। यह रियायत चालू वित्तीय वर्ष में संपत्तिकर का भुगतान करने वालों को ही दिया जाने का प्रावधान है। चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 की अवधि समाप्त होने के बाद संपत्ति कर का भुगतान न करने वालों को यह रियायत नहीं दी जाएगी और अगले वित्तीय वर्ष अप्रैल से शत-प्रतिशत वार्षिक भाड़ा मूल्य के आधार पर संपत्ति कर की गणना की जाकर निर्धारण किया जाएगा। इस तरह करदाताओं को दोगुनी राशि देना होगी।

पंजीयक विभाग भी मार रहा जोर

जिला पंजीयक विभाग भी लक्ष्य को पूरा करने के लिए जमकर पसीना बहा रहा है। अवकाश के दिन भी रजिस्ट्रियां हो रही हैं। शनिवार-रविवार को भी रजिस्ट्री की जा रही है। बता दें कि पंजीयन विभाग में औसतन 80 से 100 दस्तावेज हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार विभाग को इस साल 135 करोड़ रुपए दस्तावेजों के माध्यम से राजस्व जमा करने का लक्ष्य दिया गया था। विभाग द्वारा अबतक 110 रुपए राजस्व जमा कराया जा चुका है।

उपज नीलाम नहीं होने से गुस्साए किसान सड़क पर उतरे, दो घंटे तक जाम रहा इंदौर-भोपाल हाईवे

सीहोर ■

गल्ला मंडी में उपज की भारी आवक के बीच बुधवार को हम्मालों ने पारिश्रमिक दर न बढ़ने के विरोध में काम बंद कर दिया, जिससे मंडी में नीलामी प्रक्रिया ठप हो गई। जब यह बात व्यापारियों तक पहुंची, तो उन्होंने भी नीलामी में भाग नहीं लिया। इस देरी से किसानों में आक्रोश फैल गया, और उन्होंने मुख्य इंदौर-भोपाल मार्ग पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया, जिससे सड़क दोनों ओर से जाम हो गई।

किसानों का आक्रोश और दो घंटे तक जाम

किसानों का आरोप था कि उन्हें अपनी उपज बेचने में बार-बार

परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के चलते दो घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा, जिससे यात्रियों को भीषण गर्मी में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी, एसडीओपी दीपक कपूर और थाना प्रभारी घनश्याम दांगी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने स्थिति को संभालते हुए व्यापारियों और हम्मालों के बीच वार्ता कर समाधान का प्रयास किया।

फिर हो सकती है परेशानी

हालांकि, यदि दो दिन में समाधान नहीं निकला, तो फिर से किसानों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। मजदूर हर दो साल में 6% वेतन वृद्धि और गाड़ी खाली कराने के लिए 50 की बजाय 60 रुपये मजदूरी की मांग कर रहे हैं।

नीलामी में देरी, 250 ट्रालियों की हुई नीलामी

नीलामी प्रक्रिया शाम 6:30 बजे तक जारी रही। इस दौरान मंडी प्रांगण में खड़ी 300 में से 250 ट्रालियों की नीलामी पूरी हो सकी, जबकि 50 ट्रालियों की नीलामी नहीं हो पाई। बुधवार को मंडी में लगभग 10,000 क्विंटल अनाज की आवक दर्ज की गई। नीलामी में गेहूं का भाव 2400 से 2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

समस्या हल करने का आश्वासन

एसडीओपी दीपक कपूर ने बताया कि अगले दो दिनों के भीतर समाधान निकालने का आश्वासन दिया गया है। एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी ने भी कहा कि पारिश्रमिक दरों को लेकर व्यापारी और हम्मालों के बीच विवाद का समाधान किया जाएगा। आश्वासन मिलने के बाद हम्माल काम पर लौट आए और व्यापारियों ने नीलामी प्रक्रिया में भाग लिया।

नगर निगम परिषद की बैठक में पार्षदों के बीच हुई बहसबाजी

देवास ■

देवास नगर निगम परिषद की बैठक में बुधवार को हंगामे की स्थिति उत्पन्न हो गई जब वार्ड 24 की पार्षद रितु सावनेर द्वारा प्रश्न पूछे जाने पर एमआईसी मेंबर धर्मेंद्र सिंह बेस बीच में बोलने लगे। इस पर पार्षद सावनेर ने आपत्ति जताई। इसी दौरान एमआईसी मेंबर अजीत तोमर भी बहस में शामिल हो गए, जिससे विवाद बढ़ गया। स्थिति को बिगड़ते देख नगर निगम आयुक्त और सभापति को हस्तक्षेप करना पड़ा।

पार्षद रितु सावनेर ने बैठक के बाद नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जब वह प्रश्न पूछ रही थीं, तब बीच में टोकना अनुचित था। उन्होंने इस स्थिति को गलत ठहराया और पारदर्शिता व

अनुशासन बनाए रखने की मांग की। परिषद की बैठक में पार्षदों के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई, जो नगर निगम की कार्यवाही को बाधित कर सकती थी। गौरतलब है कि नगर निगम की परिषद बैठकों में इस प्रकार के विवाद पहले भी सामने आते रहे हैं। परिषद में पार्षदों और एमआईसी मेंबर्स के बीच संवाद की बेहतर व्यवस्था और अनुशासन बनाए रखने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में इस तरह की परिस्थितियां उत्पन्न न हों। विवाद को नियंत्रित करने के लिए विधायक प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल और सांसद प्रतिनिधि राजेश यादव को हस्तक्षेप करना पड़ा। उन्होंने पार्षदों के बीच हो रही बहस को शांत करने का प्रयास किया। इस दौरान परिषद की बैठक का माहौल कुछ देर के लिए गर्मा गया था, लेकिन अंततः स्थिति सामान्य हो गई।

शारदा सदन ग्रंथालय का आंदोलन जारी, मुख्यमंत्री ने किया था उद्घाटन, कलेक्टर ने लगवाया ताला

महेश्वर ■

शारदा सदन ग्रंथालय को लेकर महेश्वर नगर में बीते दो सप्ताह से आंदोलन जारी है। नगरवासियों की मांग है कि पुराने भवन की जगह नए बने पर्यटन सुविधा केंद्र एवं ग्रंथालय में पुस्तकालय संचालित किया जाए। इस भवन का उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नगर में हुई कैबिनेट बैठक के दौरान किया था। हालांकि, उद्घाटन के कुछ ही दिनों बाद खरगोन कलेक्टर श्रीमती भव्या मित्तल ने इस भवन पर ताला लगवा दिया, जिससे नगरवासियों में रोष है। कलेक्टर चाहती हैं कि ग्रंथालय किसी अन्य स्थान पर संचालित हो, जबकि जनता का कहना है कि इसे नए भवन में ही संचालित किया जाए। इसी विवाद के चलते ग्रंथालय बचाओ आंदोलन महेश्वर में लगातार जारी है।

कलेक्टर ने किया निरीक्षण

21 मार्च को कलेक्टर श्रीमती भव्या मित्तल ने धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलनकारियों से चर्चा की। उन्होंने ग्रंथालय को अत्याधुनिक रूप में संचालित करने का सुझाव दिया और इसके लिए 25 मार्च को एक विस्तृत योजना प्रस्तुत करने को कहा। प्रतिनिधिमंडल नियत तिथि पर खरगोन कलेक्टर कार्यालय पहुंचा और ग्रंथालय को आधुनिक सुविधाओं से अपग्रेड करने का प्रस्ताव सौंपा। हालांकि, कलेक्टर ने प्रस्ताव देखने के बजाय कहा, आपकी क्या जरूरतें हैं, आप कहीं और बैठकर काम करें। प्रतिनिधिमंडल ने जब शोधकताओं, विद्यार्थियों और नगर की शैक्षणिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए ग्रंथालय को खोलने की मांग रखी, तो कलेक्टर ने सख्त लहजे में कहा, ताला खोलने की इतनी जल्दी क्यों है? यह और कई महीने बंद रहेगा, इससे हमें कोई परेशानी नहीं है।

मुख्यमंत्री से मिलेंगे आंदोलनकारी

कलेक्टर की बेरुखी और असहयोगात्मक रुख को देखते हुए प्रतिनिधिमंडल ने आगे चर्चा न करने का निर्णय लिया। ग्रंथालय संचालन समिति के सदस्य रोहित सोनी और जितेंद्र नेगी ने बताया कि ग्रंथालय को अपग्रेड करने और सुचारू संचालन के लिए विस्तृत प्रारूप प्रस्तुत किया गया था, लेकिन प्रशासन ने इसे अनदेखा कर दिया। अब प्रतिनिधिमंडल जल्द ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात करेगा और ग्रंथालय संचालन को नए भवन में ही शुरू करने की मांग रखेगा।

प्रधानमंत्री आवास का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने 31 मार्च तक पूर्ण करें सर्वे

मुख्यमंत्री बोले-पक्का आवास पाने से कोई न छूटे

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने जनजातीय समुदाय के समग्र विकास के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध रूप से काम पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस अभियान के तहत जनजातीय वर्ग के हितग्राहियों को पक्का आवास प्रदान करने की मंशा से प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ सभी पात्रों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

साथ ही, अभियान के अन्य पहलुओं जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, और आधारभूत संरचनाओं पर भी विशेष ध्यान देने की बात की।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ जनजातीय गांवों तक 31 मार्च 2025 तक पहुंचाने के लिए सर्वे कार्य को शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि किसी भी जनजातीय परिवार को पक्का आवास पाने से वंचित न रखा जाए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने जनजातीय ग्रामों में टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने और वहां के किसानों को पर्यावरण अनुकूल खेती के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता जताई। मुख्यमंत्री ने जनजातीय परिवारों के बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए दुधारू गायों के वितरण का सुझाव भी दिया। उनका मानना है कि इससे जनजातीय परिवारों की माताओं और बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होगा। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने पारंपरिक मछुआरों को संरक्षण देने के लिए योजनाएं बनाने का भी निर्देश दिया, ताकि उनका आर्थिक स्तर मजबूत हो सके। मुख्यमंत्री ने जनजातीय ग्रामों में सामुदायिक भवनों के निर्माण का भी निर्देश दिया ताकि इन भवनों में पूजा-पाठ और अन्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां की जा सकें। इसके अलावा, जनजातीय उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की सुविधा शुरू करने की बात भी मुख्यमंत्री ने कही।

सीबीआई छापेमारी: छत्तीसगढ़ में राजनीतिक संघर्ष की नई गाथा

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके सहयोगियों के घरों पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (उइक) की छापेमारी ने प्रदेश में एक बार फिर सियासी हलचल मचा दी है। यह कार्रवाई महादेव सट्टा एप मामले से जुड़ी हुई बताई जा रही है, जिसमें भूपेश बघेल, उनके परिवार, और कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आरोप लगे हैं। इस छापेमारी को लेकर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है, और प्रदेश की राजनीति एक बार फिर गरमाई हुई है। महादेव सट्टा एप घोटाला एक बड़ा वित्तीय घोटाला है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि भारी मात्रा में नकद लेन-देन हुआ था। इसके अंतर्गत कुछ पुलिस अधिकारियों और नेताओं पर आरोप हैं कि उन्होंने हर महीने लाखों रुपये के बदले इस घोटाले को संचालित किया। इस मामले में भूपेश बघेल, उनके बेटे चैतन्य बघेल, भिलाई के कांग्रेस नेता देवेंद्र यादव, और कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नाम आए हैं। सीबीआई की इस कार्रवाई के पीछे यही आरोप हैं, जिनकी जांच जारी है। यह कार्रवाई पहले प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) द्वारा की गई शराब घोटाले की जांच से जुड़ी हुई है, जिसमें भूपेश बघेल और उनके बेटे के खिलाफ आरोप लगे थे। इसी क्रम में अब सीबीआई ने भूपेश बघेल सहित कई अन्य नेताओं और अधिकारियों के घरों पर छापेमारी की है, जो महादेव सट्टा एप घोटाले से जुड़े हुए थे। सीबीआई की छापेमारी के बाद छत्तीसगढ़ के राजनीतिक माहौल में हलचल मच गई है। कांग्रेस और भाजपा दोनों पक्ष एक-दूसरे पर कड़ी टिप्पणियां कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि भाजपा ने सीबीआई को भूपेश बघेल और देवेंद्र यादव के पीछे लगा दिया है, लेकिन यह सब सत्ता की हताशा के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस कभी नहीं झुकेगी और न रुकेगी। कांग्रेस के इस बयान से साफ है कि वे सीबीआई की कार्रवाई को राजनीतिक साजिश मानते हैं। वहीं, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने भी इसे लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी बताया और आरोप लगाया कि भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है। उनका कहना था कि भाजपा हर नाकाम कोशिश के बाद अब सीबीआई को इस कार्रवाई में लगा रही है, जो पूरी तरह से सत्ता के अन्याय का हिस्सा है। उन्होंने भी कांग्रेस के नेताओं को विश्वास दिलाया कि सत्य और न्याय की जीत होगी। कांग्रेस नेता अमरजीत भगत ने भी भाजपा को एक कड़ा संदेश दिया और कहा कि ऐसी वाणी बोलिए मन का आपा खोए, औरों को शीतल करे आपहू शीतल होह्व के जरिए भाजपा को समझाया कि काम ऐसा करना चाहिए जिससे समाज में अच्छा संदेश जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भूपेश बघेल को हमेशा केंद्रीय एजेंसियों द्वारा निशाना बनाया जाता रहा है, लेकिन कांग्रेस पार्टी इससे डरने वाली नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सीबीआई की जांच में कांग्रेस

नेताओं को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर केंद्रीय एजेंसियां भ्रष्टाचार की जांच कर रही हैं तो यह कोई दुर्भावना नहीं हो सकती, बल्कि यह न्याय का हिस्सा है। उनका मानना था कि राजनीति से प्रेरित आरोपों की बजाय सभी को जांच में सहयोग करना चाहिए और प्रक्रिया को सही तरीके से पूरा होने देना चाहिए। उनका कहना था कि कोई भी कार्रवाई चुनाव से पहले या बाद हो सकती है, लेकिन सबको न्याय के पक्ष में खड़ा होना चाहिए। सीबीआई की टीम ने भिलाई-3 स्थित भूपेश बघेल के आवास, भिलाई सेक्टर-9 में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के ठिकानों पर दबिश दी। इनमें पुलिस अधिकारी डॉ. आनंद छाबड़ा, पूर्व एसपी दुर्ग डॉ. अभिषेक पल्लव, और पूर्व एएसपी दुर्ग संजय ध्रुव शामिल हैं। इसके अलावा कांग्रेस नेता देवेंद्र यादव और वरिष्ठ पत्रकार विनोद वर्मा के घरों पर भी जांच की जा रही है। रायपुर में पुलिस अधिकारियों शेख आरिफ और अभिषेक महेश्वरी के घर भी सीबीआई की टीम ने दबिश दी। इन सभी अधिकारियों और नेताओं के नाम महादेव सट्टा एप घोटाले से जुड़े मामलों में पहले ही सामने आ चुके थे, और इन पर आरोप है कि वे इस घोटाले में शामिल थे। भूपेश बघेल ने सीबीआई की छापेमारी पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब सीबीआई आई है। उन्होंने बताया कि वह अहमदाबाद में 8-9 अप्रैल को होने वाली अक्छउ की बैठक के लिए दिल्ली जाने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही सीबीआई ने उनके रायपुर और भिलाई स्थित निवास पर छापा मारा। इस बयान से यह साफ हो जाता है कि भूपेश बघेल इस कार्रवाई को एक राजनीतिक साजिश मानते हैं और इसे चुनावी मुद्दों से पहले उठाया गया कदम मानते हैं। इससे पहले, प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) ने भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य बघेल के खिलाफ 2,161 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले की जांच की थी। 10 मार्च को एऊने भूपेश बघेल के घर पर छापेमारी करते हुए 33 लाख रुपये नकद बरामद किए थे। उस समय कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया था और बघेल के घर के बाहर जमकर नारेबाजी की थी। यह विरोध आज भी जारी है, और बघेल के निवास के बाहर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन को नियंत्रित किया जा सके। सीबीआई की छापेमारी ने छत्तीसगढ़ की राजनीति को एक नया मोड़ दिया है। जहां एक ओर कांग्रेस इसे सत्ता के दुरुपयोग और राजनीतिक प्रतिशोध की साजिश मानती है, वहीं भाजपा इसे भ्रष्टाचार की जांच और न्याय के पक्ष में उठाया गया कदम बता रही है। प्रदेश की राजनीति में इस छापेमारी का जो असर पड़ रहा है, उससे साफ है कि छत्तीसगढ़ में सत्ता की जंग और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप जारी रहेंगे। सीबीआई की जांच का नतीजा चाहे जो भी हो, लेकिन इसने प्रदेश की राजनीति को एक बार फिर से गरमा दिया है और यह देखना दिलचस्प होगा कि इस मामले में आगे क्या कदम उठाए जाते हैं। सीबीआई की छापेमारी को लेकर छत्तीसगढ़ की राजनीति में उबाल आ चुका है, और दोनों प्रमुख राजनीतिक दल इसे अपने पक्ष में उपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, यह भी देखा जाएगा कि केंद्रीय एजेंसियां अपने आरोपों में कितनी सफलता हासिल करती हैं और क्या न्यायिक प्रक्रिया के तहत सभी आरोप सही साबित होते हैं या नहीं। इस घटना ने राज्य की राजनीतिक स्थिति को बदल दिया है, और यह आगामी चुनावों में एक अहम मुद्दा बन सकता है।

सत्यप्रकाश दुबे
(लेखक)
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

दक्षिण पर नजर : मोदी का नया राजनीतिक दांव... परिसीमन प्रस्ताव....?

भाषा तथा अन्य राजनीतिक मुद्दों पर दक्षिणी कोलाहल को दबाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने एक नया राजनीतिक हथकंड़ा अपनाया है, जिसे राज्यों की सीमा के परिसीमन से जोड़ा जा रहा है। मोदी के इस हथकंडें से दक्षिणी राज्यों में घबराहट का माहौल पैदा हो गया है तथा दक्षिणी राज्यों के नेताओं में यह आशंका व्याप्त हो गई है कि यदि परिसीमन प्रक्रिया अपनाई जाती है तो उनके राज्यों में लोकसभा की सीटें कम हो जाएगी। यद्यपि केन्द्र का फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नही है, सिर्फ राजनीतिक धमक है। किंतु अब यह मुद्दा राष्ट्रीय मुद्दा बनाने की तैयारी अवश्य की जा रही है। तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने इस मुद्दें को अधिक हवा दी और उन्होंने इस संभावना पर आधा दर्जन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक भी कर डाली, जिसमें केन्द्र के लिए प्रस्ताव पारित किया गया कि परिसीमन को पच्चीस साल के लिए टाला जाए तथा इस मामले पर संविधान में भी संशोधन किया जाए। इस बैठक में पांच राज्यों के मुख्यमंत्री, उप-मुख्यमंत्री सहित डेढ़ दर्जन नेताओं ने शिरकत की, बैठक में स्टालिन ने आशंका व्यक्त की कि यदि परिसीमन होता है तो न सिर्फ दक्षिण में लोकसभा की सीटें कम जो जाएगी बल्कि हमारी पहचान भी खतरें में पड़ जाएगी।

ओमप्रकाश मेहता
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

यद्यपि यहां यह उल्लेखनीय है कि किसी भी राज्य में परिसीमन का मुख्य आधार वहां की जनसंख्या होती है और वह जनगणना लम्बे समय से प्रतीक्षित है, हर बार किसी न किसी बहाने जनगणना को टाला जा रहा है और यहां यह स्पष्ट है कि यदि जनसंख्या आधारित परिसीमन होता है तो दक्षिणी राज्यों में निश्चित रूप से लोकसभा की सीटें कम हो जाएगी, लेकिन फिलहाल तो यह तय ही नही हुआ है कि परिसीमन का आधार राज्य का क्षेत्रफल होगा या जनसंख्या? इसलिए स्टालिन के इस कथन को फिलहाल उनका राजनीतिक हथकंडा ही माना जा रहा है और केन्द्र पर भी उसका फिलहाल कोई असर नजर नही आ रहा है। वैसे भारत सरकार ने अब तक परिसीमन को बहुत गंभीरता से लिया है, इसलिए इसका नाम सुनते ही राजनीतिक क्षेत्र में घबराहट का वातावरण पैदा हो गया है। जबकि केन्द्र ने फिलहाल ऐसे कोई संकेत नही दिए है, परिसीमन के पहले-पहले आयोग का गठन किया जाता है, जैसा कि भारत में अब-तक 1952, 1963, 1973 और 2002 में परिसीमन आयोग गठित हो चुके है, आखिरी बार 2008 में परिसीमन हुआ था। अब केन्द्र द्वारा ये संकेत दिए जा रहे है कि लोकसभा सीटों के परिसीमन की प्रक्रिया 2026 से शुरू हो सकती है। वर्ष 2029 के चुनाव में करीब 78 सीटें बढ़ सकती है। किंतु इस प्रक्रिया से दक्षिणी राज्य भयभीत है, इसी वजह से सरकार समानुपातिक परिसीमन पर विचार कर रही है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दक्षिण के कुछ राज्यों के साथ तमिलनाडु में भी अगले साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे है और स्टालिन इन्ही को दृष्टिगत रखते हुए परिसीमन को अपनी राजनीति का माध्यम बना रहे है। इस तरह वे अपने राज्य की जनता का ध्यान उन मुद्दों से भटकाना चाहते है, क्योंकि यह किसी से भी छिपा नही है कि स्टालिन परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरते जा रहे है और वे अब परिसीमन को मुद्दा बनाकर दक्षिण राज्यों की राजनीति की कमान अपने हाथों में लेना चाहते है, साथ ही विपक्षी दलों की राजनीति के सूत्रधार भी बनना चाहते है। जबकि ममता बैनर्जी और वाईएसआर कांग्रेस दोनों ने ही परिसीमन बैठक का बहिष्कार किया था। यहां यह स्मरणीय है कि परिसीमन को पहले भी दो बार टाला जा चुका है और केन्द्र सरकार इसी को लेकर काफी सतर्क है, इसे आशंका है कि परिसीमन के मुद्दें पर स्टालिन व दक्षिण के उनके सहयोगी विभाजनकारी राजनीति भी शुरू कर सकते है।

संघ के कर्नाटक-मंथन में नये संकल्प-नयी दिशाएं

-ललित गर्ग- | लेखक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की तीन दिवसीय बैठक अपने स्थापना के शताब्दी वर्ष प्रवेश के पावन एवं ऐतिहासिक अवसर पर बेंगलुरु में सफलतापूर्णक एवं ऊर्जामय माहौल में संपन्न हुई, जिसमें औरंगजेब विवाद, तीन-भाषा फॉमूर्ला, परिसीमन और बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति पर चर्चा ने एक अपूर्व वातावरण का निर्माण किया। जिसमें दुनिया में शांति और समृद्धि लाने के तर्क पर एक सौहार्दपूर्ण और संगठित हिंदू समाज के निर्माण का आह्वान किया गया। इसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत, महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा महासचिव बीएल संतोष सहित आरएसएस से जुड़े 32 संगठनों के प्रमुखों ने भाग लिया। आरएसएस की स्थापना विशेष रूप से भारतीय हिन्दू समाज में राष्ट्रीयत्व भाव जागृत करने, हिन्दुओं को संगठित करने एवं हिन्दू समाज के बीच समरसता स्थापित करने के उद्देश्य से हुई और इन सौ वर्षो में न केवल इन लक्ष्यों को हासिल किया गया है बल्कि अनेक रचनात्मक एवं सृजनात्मक गतिविधियों एवं योजनाओं के साथ अपनी एक स्वतंत्र एवं अलग छवि का निर्माण किया है। इस वर्ष की वार्षिक बैठक न केवल विशेष बल्कि नवीन संकल्पों की वाहक बनी है, क्योंकि बैठक ने सकारात्मक क्रांतिकारी विचारों से न केवल राष्ट्र में सक्रिय नकारात्मक एवं अराष्ट्रीय ताकतों को सख्त संदेश दिया गया बल्कि पडौसी बांग्लादेश-पाकिस्तान-चीन आदि देशों की कुचेष्टाओं के लिये ललकारा भी गया एवं सावधान भी किया गया है।

ग्लोबल हेराल्ड

अठहत्तर वर्ष की देहरी पर खड़े होकर राष्ट्र के अतीत को देखा-परखा जाए तो ऐसा लगता है कि अब राष्ट्र का कायाकल्प हो रहा है। मूलभूत आस्थाओं एवं राष्ट्रीयता के दृढ़ीकरण के साथ देश में जो नई चेतना आई है, वह संघ जैसे शक्तिशाली संगठन का जीवंत साक्ष्य है। राष्ट्रीयता, स्व-पहचान, स्वदेशी-भावना, हिन्दू-संस्कृति के ऊर्जा के अक्षय स्रोतों की खोज में जो प्रयत्न किया जा रहा है, वह अभूतपूर्व है। जन-आकांक्षा के अनुरूप राष्ट्र को जिस युगीन परिवेश में प्रस्तुति दी जा रही है, वह असाधारण है। इन सब परिवर्तनों-परिवर्धनों एवं राष्ट्र को सशक्त करने के बावजूद संघ की सादगी का सौन्दर्य निराला है और कर्नाटक बैठक इसी सादगी के सौन्दर्य के अनूठेपन को लिये हुई थी। दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन ने अपनी अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में सभी स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि वे पूरे समाज को सज्जन शक्ति के नेतृत्व में एकजुट कर, दुनिया के सामने एक संगठित और सामंजस्यपूर्ण भारत का आदर्श प्रस्तुत करें। इसमें बैठक में मुख्य रूप से कहा गया है कि भारत एक प्राचीन और समृद्ध संस्कृति वाला देश है और इसमें एकजुट दुनिया बनाने का अद्भुत ज्ञान एवं सक्षमता है। आरएसएस ने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य पूरी मानवता को विभाजन और विनाश की प्रवृत्तियों से बचाना है और सभी जीवों के बीच शांति और एकता की भावना को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, आरएसएस ने हिंदू समाज को अपने वैश्विक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए संगठित और सामूहिक जीवन की आवश्यकता पर बल दिया है, जो धर्म पर आधारित आत्मविश्वास से भरा हो। साथ ही बैठक में पारित प्रस्तावों में यह भी कहा गया कि सभी प्रकार के भेदभावों को खारिज कर, एकजुट आचरण और पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को अपनाते हुए हमें एक आदर्श समाज का निर्माण करना चाहिए। यह समाज भौतिक समृद्धि के साथ-साथ आध्यात्मिकता से भी परिपूर्ण होगा, जो समाज की समस्याओं का समाधान करेगा और चुनौतियों को कम करेगा। इस वर्ष की बैठक का हर बोल अनमोल है, हर चरण एक मंजिल है, हर संकल्प नये भारत-सशक्त भारत की दिशा है और हर क्रिया एक सन्देश है। संघ का जीवन और दर्शन, विचार और सोच अन्तरमन को कुरेदने वाली ऐसी प्रेरणा है जो जागृत अवस्था में सोने वाले लोगों का झकझोर देती है।

इस बैठक की खास बात यह रही है कि इसमें संघ की तरफ से भाजपा के बारे में सीधे सवालों से दूरी बनाए रखी गयी। हालांकि, परिसीमन के मुद्दे पर दक्षिण के राज्यों में सीटें कम नहीं होने को लेकर भाजपा को संदेश भी दे दिया। परिसीमन को लेकर संघ ने साफ कहा कि दक्षिणी राज्यों का लोकसभा में अनुपात वही रहेगा। इसके साथ ही संघ ने तीन-भाषा फामूर्ले पर संतुलित रुख बनाए रखा गया। ऐसे समय में जब भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार त्रिभाषा फामूर्ले को लेकर असमंजस में हैं, आरएसएस ने इस विवाद को दरकिनार करते हुए मातृभाषा, व्यक्ति के निवास स्थान की क्षेत्रीय भाषा तथा करियर की भाषा, जो अंग्रेजी या कोई अन्य भाषा हो सकती है, के उपयोग की वकालत की है। संघ ने महाराष्ट्र में मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर चल रहे विवाद को लेकर मुगल शासक की तीव्र एवं तीखी आलोचना की। खास बात यह देखने को मिली कि संघ की तरफ से औरंगजेब की आलोचना के साथ ही उसके भाई दारा शिकोह का जश्न भी मनाया, क्योंकि दारा शिकोह सामाजिक सद्भाव में विश्वास करने वाला व्यक्ति था। दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भारत के मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों को आदर्श बनाया गया था। औरंगजेब भारत के लोकाचार के खिलाफ था और अगर वैसी ही आक्रमणकारी मानसिकता अभी भी मौजूद है तो यह देश के लिए खतरा है। जो इस भूमि की सांस्कृतिक विरासत को नष्ट करने की कुचेष्टा भी है। निश्चित ही इस तरह कोई विकृत संस्करण या नैरेटिव प्रस्तुत करना चाहता है, तो उसका मुकाबला किया ही जाना चाहिए। कर्नाटक बैठक की टंकार में संघ ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। बांग्लादेश के हिन्दू समाज के साथ एकजुटता से खड़े होने का आह्वान शीर्षक वाले एक प्रस्ताव में अंतरराष्ट्रीय ताकतों और अमेरिका में डीप स्टेट के प्रयासों का उल्लेख किया गया। संघ ने स्पष्ट किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं की जिम्मेदारी भारत की है और हम इस कर्तव्य से बच नहीं सकते। निश्चित ही धार्मिक संस्थानों पर व्यवस्थित हमलों, क्रूर हत्याओं, जबरन धर्मांतरण और हिन्दुओं की संपत्तियों को नष्ट करने के चक्र ने बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर दिया है। इसलिये संघ द्वारा धार्मिक असहिष्णुता और मानवाधिकारों के उल्लंघन के इन कृत्यों की कड़ी निंदा की गई है और वैश्विक समुदाय से निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। इस बैठक ने हिन्दुओं को आश्वस्त किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं के भविष्य में कोई मुश्किल स्थिति आती है, तो हम पीछे नहीं हट सकते। अगर ऐसी स्थिति आती है, तो हम उसका समाधान करेंगे। भाजपा के नये अध्यक्ष के चयन को लेकर भी संघ ने स्पष्ट किया कि भाजपा के नए अध्यक्ष के चयन को लेकर उसका पार्टी के साथ कोई मतभेद नहीं है। संघ ने कहा कि यह निर्णय पूरी तरह से भाजपा पर निर्भर है। भाजपा की प्रक्रिया चल रही है, सदस्यता पूरी हो चुकी है और विभिन्न स्तरों पर समितियों का गठन हो चुका है। आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष का चुनाव होगा। इससे पहले चर्चा चल थी कि भाजपा और आरएसएस किसी उपयुक्त उम्मीदवार पर सहमत नहीं हो पाए हैं, जिससे दोनों संगठनों के बीच टकराव की अटकलें लगाई जा रही हैं। कर्नाटक बैठक से एक बार फिर पुरजोर तरीके से उजागर हुआ कि संघ हिन्दू सनातन संस्कृति को भारत के जन-जन के मानस में प्रवाहित करने का सफल एवं सार्थक कार्य करने को प्रतिबद्ध है। ताकि प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रीयता की भावना जागृत हो एवं उनके लिये भारत प्रथम प्राथमिकता बन सके। यह कार्य संघ अपने स्वयंसेवकों द्वारा समाज के बीच जाकर करने का प्रयास करता है और यह कार्य आज पूरे विश्व में शांति एवं समरसतापूर्ण जीवन स्थापित करने के लिये एक जरूरी आवश्यकता है। पिछले आठ दशकों में लगातार हिन्दू-संस्कृति को कमजोर करने की राजनीतिक चालों को भी संघ ने समय-समय पर आड़े हाथ लिया है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

आग न लगती तो न्यायपालिका में भष्टार्चार का धुंवा न उठता !

दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर आग लगने की घटना ने भ्ष्टार्चार की आग को हवा दे दी है। आग बुझाने के दौरान फायर ब्रिगेड को जज के घर से लगभग 15 करोड़ नकदी मिलने की खबर ने देश भर में हंगामा मचा दिया है। इस घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस वर्मा को उनके मूल कोर्ट, इलाहाबाद हाई कोर्ट में ट्रांसफर करने का फैसला लिया, और अब मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने उनके खिलाफ जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति भी गठित कर दी है। सन 2009 में भी पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के जज जस्टिस निर्मल यादव पर 15 लाख रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगा था, इस मामले में एक वकील ने दावा किया था कि उसने गलती से रिश्वत की राशि गलत जज के घर भेज दी थी, जिसके बाद यह मामला चचाओं में रहा। मद्रास हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पी.डी. दिनाकरण पर तमिलनाडु में अवैध जमीन अर्जित करने और आय से अधिक संपत्ति के एकत्र करने के आरोप लगे थे,उनके खिलाफ 16 शिकायतें दर्ज की गईं थी, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उनकी सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति रोक दी थी,जांच के दबाव में उक्त जज ने सन 2011 में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसी प्रकार सन 2017 में कलकत्ता हाई कोर्ट के जज जस्टिस सी.एस. कर्णन ने सुप्रीम कोर्ट के कई जजों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे,उनके खिलाफ अवमानना का मामला भी चला, और उन्हें छह महीने की जेल भी हुई।

सन 2018 में सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ जजों ने पत्रकार वार्ता कर तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा पर मनमाने ढंग से केस बांटने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था, भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ था कि जज अपनी ही न्यायपालिका पर पत्रकार वार्ता कर सवाल खड़े कर रहे थे।वही सन 2021 में मुंबई हाई कोर्ट में जज रहे एक न्यायमूर्ति पर रिश्वत लेकर फैसले देने के आरोप लगे थे, बाद में यह मामला जांच के अभाव में ठंडे बस्ते में चला गया। न्यायपालिका में जवाबदेही की कमी और पारदर्शिता का अभाव इन समस्याओं को बढ़ावा दे रहा है।भृष्ट जजो को हटाने का महाभियोग ही एकमात्र संवैधानिक उपाय है, लेकिन अब तक इसका भी सफल इस्तेमाल नहीं हो पाया है। हालांकि न्यायाधीश यशवंत वर्मा का कहना है कि जिस कमरे में नोटों की गड्डियां मिलीं, वह उनके मुख्य आवास से अलग है और कई लोग इसका इस्तेमाल करते हैं।दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को भेजे अपने एक लंबे स्पष्टीकरण में न्यायमूर्ति वर्मा ने कहा कि 14 मार्च की देर रात होली के दिन दिल्ली में उनके आधिकारिक आवास के स्टाफ क्वार्टर के पास स्थित स्टोर रूम में आग लग गई थी। इस कमरे का इस्तेमाल आम तौर पर सभी लोग पुराने फर्नीचर, बोतलें, क्रॉकरी, गद्दे, इस्तेमाल किए गए कालीन, पुराने स्पीकर, बागवानी के उपकरण और सीपीडब्ल्यूडी की सामग्री जैसे सामान रखने के लिए करते थे,यह कमरा खुला है और सामने के गेट के साथ-साथ स्टाफ क्वार्टर के पिछले दरवाजे से भी इसमें प्रवेश किया जा सकता है।यह मुख्य आवास से अलग है और निश्चित रूप से मेरे घर का कमरा नहीं है, जैसा कि बताया जा रहा है।वही वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने जज के यहां भारी मात्रा में नकदी मिलने को लेकर चिंता जताई है। सिब्बल ने न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के मुद्दे को गंभीर बताया है। भ्रष्टाचार कम होने के दावों पर सवाल उठाते हुए सिब्बल ने कहा, भ्रष्टाचार एक गंभीर मुद्दा है और पीएम मोदी के भ्रष्टाचार कम होने के दानों के बावजूद यह बढ़ा है। जब लोकपाल को लेकर प्रदर्शन हुआ था, तब सभी राजनीतिक दल कांग्रेस पर आरोप लगाते थे। इसके बाद लोकपाल बिल आ गया, लेकिन क्या हुआ। सरकार गिरा दी गई और इसके बाद कुछ नहीं किया गया। न केजरीवाल ने कुछ किया और न ही प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ किया। बस एक लोकपाल को बैठा दिया गया।राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने दावा किया कि लोगों का न्यायिक प्रणाली में विश्वास कम हो रहा है। सिब्बल ने कहा कि विकल्प तभी मिल सकते हैं, जब सरकार और न्यायपालिका दोनों स्वीकार करें कि न्यायाधीशों की नियुक्ति सहित मौजूदा प्रणालियां कारगर नहीं रह गई हैं। दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के घर आग लगने के बाद भारी मात्रा में कैश मिलने पर मचे विवाद के बीच इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने कहा कि मामले की जांच इन-हाउस कमेटी से नहीं बल्कि सीबीआई या ईडी से होनी चाहिए। उन्होंने जस्टिस वर्मा के लिए जेल की सजा की मांग की।दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीके उपाध्याय ने अपनी रिपोर्ट में पुलिस कमिश्नर द्वारा भेजी गईं कुछ रिपोर्टों को भी शामिल किया है जिसमें ये कहा गया है कि स्टोर रूम में 4-5 अधजली बोरियों में कैश मिला है।जस्टिस डीके उपाध्याय ने लिखा है कि उनकी जाँच के मुताबिक स्टोर रूम में केवल घर में रहने वाले लोगों, नौकरों और मालियों का आना जाना था, इसलिए इस मामले में और जांच की जरूरत है। पुलिस कमिश्नर ने जस्टिस डीके उपाध्याय के साथ कुछ फोटो और एक वीडियो भी शेयर किए हैं,जिनमें एक कमरे में नोट जलते दिख रहे हैं।जस्टिस डीके उपाध्याय का कहना है कि उन्होंने ये फोटो और वीडियो सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना को भी भेजीं है और इन्हें जस्टिस यशवंत वर्मा को भी दिखाया है।

श्रीगोपाल नारसन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

प्रकाशस्रोत परमात्मा...

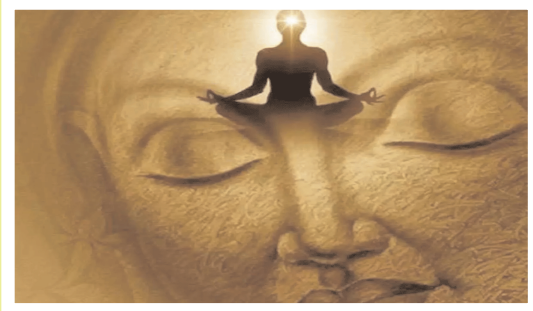

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है।भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं।श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है। वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है। वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 729 अंक निफ्टी 181 अंक नीचे आया

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई हैं। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी को लेकर अनिश्चिताओं से भी बाजार में मुनाफावसूली हुई जिससे भी बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 728.69 अंक करीब 0.93 फीसदी टूटकर 77,288.50 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 181.80 अंक तकरीबन 0.77 फीसदी नीचे आकर 23,486.85 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड कॉर्प, टाइटन कंपनी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के अलावा बीएसई सेंसेक्स के अन्य सभी शेयर गिरावट पर बंद हुए। बाजार जानकारों के अनुसार भारतीय कंपनियों के मार्च तिमाही के परिणामों के कमजोर रहने की आशंका से भी बाजार गिरा है। नरम रहने का अनुमान जताया गया है। अमेरिका द्वारा टैरिफ की घोषणा के बाद हाल ही में हुई बढ़त के बाद एक बार फिर बाजार में मुनाफावसूली हावी रही। अमेरिकी बाजार में अधिक निवेश वाले फार्मा और आईटी जैसे क्षेत्रों में भी बिकवाली की धारणा हावी रही। निफ्टी ऑटो इंडेक्स को छोड़कर एनएसई पर सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए। इनमें निफ्टी पीएसयू बैंक, आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, हेल्थकेयर, रियल्टी और ऑयल एंड गैस इंडेक्स में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरूआती कारोबार में रियलिटी सेक्टर में खरीदारी रही। सुबह सेंसेक्स 78.19 अंक बढ़कर 78,095.38 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 46.80 अंक बढ़कर 23,715.45 पर था। पिछले कारोबारी सत्र में, अमेरिका में डॉव जोन्स 0.01 फीसदी बढ़कर 42,587.50 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.16 फीसदी बढ़कर 5,776.65 पर और नैस्डैक 0.46 फीसदी बढ़कर 18,271.86 पर बंद हुआ।

तीन सरकारी बैंक दे रहे सस्ता होम लोन

मुंबई ■

होम लोन की मांग में महंगाई के दबाव के बीच कुछ बैंकों ने ब्याज दरों में कमी के साथ लोन प्रदान करने की घोषणा की है। कई सरकारी बैंक अब 8.10 प्रतिशत की शुरूआती ब्याज दर पर होम लोन उपलब्ध करा रहे हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 20,000 रुपए तक प्रोसेसिंग फीस के माफी का ऐलान किया है, जबकि बैंक ऑफ महाराष्ट्र महिलाओं और डिफेंस पर्सनल को छूट ऑफर कर रहा है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने भी इसी ब्याज दर पर अपना होम लोन योजना लागू की है। लोन लेने से पहले, व्यक्ति के क्रेडिट स्कोर और वित्तीय स्थिति का ध्यान रखना अनिवार्य है। इन बैंकों के साथ एक चुनाव निर्णायक हो सकता है, जो घर की खरीदी के सपने को साकार करने में मदद कर सकता है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 8.10 फीसदी की शुरूआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। खास बात यह है कि बैंक प्रोसेसिंग फीस के तौर पर 20,000 रुपए तक 0.50 फीसदी प्लस जीएसटी लेता है लेकिन यह 31 मार्च 2025 तक माफ है। हालांकि, ग्राहकों को डॉक्यूमेंटेशन चार्ज 1350 रुपए और जीएसटी देना होगा। बैंक ऑफ महाराष्ट्र- बैंक ऑफ महाराष्ट्र भी 8.10 फीयदी की शुरूआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। फिलहाल कोई प्रोसेसिंग फीस नहीं ली जा रही है।

सिंगापुर और भारत ने ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए की साझेदारी

सिंगापुर। सिंगापुर और भारत ने मंगलवार को ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर (जीडीएससी) के लिए साझेदारी में हस्ताक्षर किए। इस आशय पत्र (एलओआई) में यह दोनों देशों के बीच डिजिटलीकरण और कार्बन मुक्त परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सिंगापुर के समुद्री एवं बंदरगाह प्राधिकरण और भारतीय बंदरगाह, पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी संयुक्त विज्ञप्ति के अनुसार, इस साझेदारी से सिंगापुर-भारत जीडीएससी में बेहतर सहयोग और उत्सर्जन प्रौद्योगिकियों के विकास और डिजिटल समाधानों की अवधारणा को बढ़ावा मिलेगा। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल ने कहा कि इस साझेदारी से दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूती मिलेगी और अधिक गहरा होगा।

1 मई से महंगा हो जाएगा एटीएम से पैसे निकालना

मुंबई ■

1 मई से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एटीएम से पैसे निकालने पर शुल्क बढ़ाने की मंजूरी दी है। यह बदलाव ग्राहकों के लिए एक नया चुनौती बना सकता है, क्योंकि अब उन्हें अधिक शुल्क देना होगा जब वे अपने वॉलेट से पैसे निकालेंगे। नए नियम के अनुसार, दूसरे बैंक के एटीएम से पैसे निकालने पर और बैलेंस चेक करने पर ग्राहकों को अधिक शुल्क चुकाना होगा। पहले मुफ्त लेन-देन की लिमिट कम थी, लेकिन अब शुल्क बढ़ने से ग्राहकों को और ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। इस बढ़े हुए शुल्क का असर छोटे बैंकों पर भी होगा, क्योंकि उनके पास सीमित एटीएम इंफ्रास्ट्रक्चर है। उन्हें अब ग्राहकों को सेवा प्रदान करते समय अधिक शुल्क वसूलना होगा, जिससे वह अपनी लागतों को संतुलित रखने में मुश्किल हो सकती है। इस परिस्थिति में ग्राहकों को डिजिटल पेमेंट्स का इस्तेमाल करने और अतिरिक्त शुल्क से बचने का सुझाव दिया जा रहा है। इस नए नियम के लागू होने से बैंकिंग लागत बढ़ सकती है।

नई फीस दरें इस प्रकार हैं-

कैश निकासी शुल्कः 17 रुपए से बढ़कर 19 रुपए हो जाएगा।

बैलेंस चेक शुल्कः 6 रुपए से बढ़कर 7 रुपए हो जाएगा।

ये शुल्क तब लागू होंगे जब ग्राहक अपनी मुफ्त ट्रांजैक्शन लिमिट पार कर लेंगे।

ग्लोबल हेराल्ड
प्रदेश इंदौर

आईपीएल में आज लखनऊ सुपर जॉइंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद में होगी टक्कर

हैदराबाद ■

लखनऊ सुपर जॉइंट्स की टीम गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने दूसरे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच कड़ी टक्कर होने की संभावना है। कप्तान ऋषभ पंत की सुपर जॉइंट्स की टीम को पहले ही मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हार मिली थी। ऐसे में उसपर किसी भी हाल में ये मैच जीतने का दबाव रहेगा। वहीं दूसरी ओर कप्तान पैट कमिंस की सनराइजर्स ने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स को हराया था। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा और वह जीत की लय बनाये रखने उतरेगी। सनराइजर्स की दावेदारी इसलिए भी प्रबल मानी जा रही है क्योंकि उसके पास एक से बढ़कर एक आक्रामक बल्लेबाज हैं जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमक को धवस्त कर सकते हैं।

रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में उसकी टीम ने आईपीएल का अब तक का

सबसे अधिक सकोर 286 रन बनाया था। उसके पास कई आक्रामक बल्लेबाज हैं जिनका अंकुश लगाना दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होगा। कई प्रमुख गेंदाबाजों के चोटिल होने से भी सुपर जॉइंट्स की परेशानी बढ़ी है हालांकि इस मैच से पहले तेज गेंदबाजा आवेश खान के फिट होने से टीम को थोड़ी राहत मिली है। सनराइजर्स की ओर से ईशान किशन ने पहले ही मैच में शतक लगाकर अपनी इरादे जाहिर कर दिये थे। अब उसे किसी प्रकार दिल्ली के गेंदबाज रोकेंगे ये देखना होगा। इसके अलावा टीम के पासा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड और हेनरिक क्लासेन और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। इस प्रकार के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने सुपर जॉइंट्स के गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

शाम 7:30 बजे से होगा मैच

लखनऊ के लिए चिन्ता की बात ये है कि उसके कप्तान ऋषभ पिछले मैच में शून्य पर ही आउट हो ये थे। इसके अलावा उनकी विकेटकीपिंग भी अच्छी नहीं थी और उन्होंने कई अवसर गंवाये थी। ऐसे में इस मैच में उन्हें कोई गलती नहीं करनी होगी। लखनऊ के लिए पहले मैच में मिशेल मार्श और निकोलस पूरण ने आक्रामक अंदाज में पारी शुरु की थी और टीम चाहेगी कि इस मैच में भी ये दोनो ऐसा ही करें। बल्लेबाजी करके अर्ध शतक लगाए थे तथा टीम को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। टीम का मध्यक्रम पहले मैच में असफल रहा था। अब इस मैच में मध्यक्रम के बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। गेंदबाजी की बात करें तो पहले मैच में स्पिनर रवि बिश्नोई के अलावा अन्य गेंदबाज विफल रहे थे। टीम के तेज गेंदबाजों को भी इस मैच में अपनी भूमिका ठीक से निभानी होगी। दूसरी ओर सनराइजर्स की गेंदबाजी मो शमी, जयदेवा उनादकट जैसे तेज गेंदबाजों के अलावा स्पिनर एडम जंपा और राहुल चाहर पर आधारित रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, एडम ज़म्पा, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

लखनऊ सुपर जाइंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मार्करम, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिशेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

मनोरंजन

मैटरनिटी ब्रेक के बाद लाइट, कैमरा एक्शन को तैयार दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्री में से एक दीपिका पादुकोण बीते साल सितंबर 2024 में मां बनी थीं। उन्होंने पति रणवीर सिंह के साथ बेटी का स्वागत किया था, जिसका नाम दुआ है। बेटी के जन्म के बाद फिलहाल दीपिका मैटरनिटी ब्रेक पर हैं और अब हाल ही में खबर सामने आई है कि वे जल्द ही फिल्म सेट पर वापसी करने वाली हैं। आखिरी बार उन्हें रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था, जो दिवाली 2024 पर रिलीज हुई थी। हालांकि, प्रेग्नेंसी के कारण उन्होंने फिल्म के प्रमोशन में हिस्सा नहीं लिया। तब से ही उनकी वापसी को लेकर तमाम अटकलें लगाई जा रही थीं। अब, उनके फैंस के लिए एक अच्छी खबर आई है कि दीपिका जल्द ही फिल्म सेट पर वापसी कर रही हैं। दीपिका की अगली बड़ी फिल्म कल्कि 2898 ई. हैं, जिसमें प्रभास और अमिताभ बच्चन भी अहम भूमिकाओं में हैं। डायरेक्टर नाग अश्विन ने हाल ही में फिल्म और इसके शूटिंग शेड्यूल के बारे में अपडेट दिया है। पहले खबरें थीं कि कल्कि 2898 ई.का सीक्वल 2025 की गर्मियों में आएगा, लेकिन अब इसमें देरी होगी है। हाल ही में एक इवेंट के दौरान डायरेक्टर नाग अश्विन ने बताया कि सीक्वल की तैयारियां जोरों पर हैं और इसकी शूटिंग दिसंबर 2025 में शुरू होगी। इसका मतलब यह हुआ कि दीपिका का मैटरनिटी ब्रेक दिसंबर 2025 तक खत्म हो सकता है और वह शूटिंग के लिए लौट सकती हैं।

शादी के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं करण कुंद्रा-तेजस्वी प्रकाश

एक्टर करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की शादी को लेकर फिर अटकलें तेज हो गई हैं। करण कुंद्रा ने अपनी शादी की योजनाओं पर खुलकर बात की और बताया कि वह इस बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं। हालांकि, तेजस्वी की मां की हालिया टिप्पणी से फैंस में उत्साह बढ़ गया है। एक इंटरव्यू में जब करण से उनकी शादी के मेन्यू के बारे में पूछा गया तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं खाने का बड़ा शौकीन हूं, लेकिन शादी के खाने की जिम्मेदारी पेशेवरों पर छोड़ना पसंद करूंगा। उन्होंने पुराने वीडियो के संदर्भ में हंसते हुए कहा, मुझे लगता है कि वह एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) था। करण ने तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते पर भी बात की और बताया कि तेजस्वी अक्सर उनके लिए खाना बनाती हैं। उन्होंने कहा, तेजस्वी को किचन में एक्सपेरिमेंट करना पसंद है। कल भी उसने कुछ नया बनाया और मैंने खाया। मुझे उसका बनाया खाना बहुत पसंद आता है। हाल ही में 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के एक एपिसोड में फराह खान ने तेजस्वी की मां से उनकी शादी को लेकर सवाल किया। इस पर तेजस्वी की मां ने बेझिझक जवाब दिया, इसी साल शादी हो जाएगी। तेजस्वी इस जवाब को सुनकर शर्म से लाल हो गईं और हंसते हुए बोलीं, ऐसी कोई बात नहीं है। हालांकि, तेजस्वी ने शादी को लेकर अपनी राय साझा करते हुए कहा, मैं इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देती। मुझे कोर्ट मैरिज से कोई दिक्कत नहीं है।

परिवार को विवाद में न घसीटा जाए: अमाल मलिक

हाल ही में परिवार से संबंधों में खटास को लेकर मशहूर गायक और संगीतकार अमाल मलिक ने एक भावुक पोस्ट शेयर की थी। अब एक नई पोस्ट के जरिए अमाल ने मीडिया से अपील की है कि उनके परिवार को इस विवाद में न घसीटा जाए। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में अमाल ने लिखा, प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। लेकिन मैं मीडिया से अनुरोध करूंगा कि मेरे परिवार को परेशान न करें। कृपया इसे सनसनीखेज न बनाएं और मेरी कमजोरी को गलत दिशा में न ले जाएं। यह मेरे लिए बहुत कठिन समय है, मैं अपने परिवार से हमेशा प्यार करूंगा, लेकिन फिलहाल, मैं उनसे दूर रहना चाहता हूं। उन्होंने अपने भाई अरमान मलिक के साथ रिश्ते को लेकर भी सफाई दी और लिखा, हम भाइयों के बीच कुछ भी नहीं बदला है, अरमान और मैं एक हैं और हमारे बीच कोई भी नहीं आ सकता। इससे साफ है कि अमाल और अरमान के रिश्ते में कोई खटास नहीं है, लेकिन उनके माता-पिता से दूरी बनी हुई है। अमाल मलिक ने अपनी पहले डिलीट की गई पोस्ट में क्लिनिकल डिप्रेशन और परिवार से बढ़ती दूरियों को लेकर खुलकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि उनके माता-पिता की अनदेखी से वे बेहद आहत हुए हैं और अब वे उनसे केवल पेशेवर रूप से जुड़े रहना चाहते हैं। अमाल ने खुलासा किया कि उन्होंने 10 साल के करियर में 126 गाने दिए हैं, लेकिन उनके परिवार ने उन्हें वो सराहना नहीं दी, जिसकी उन्हें उम्मीद थी। इस वजह से उनका मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-सम्मान बुरी तरह प्रभावित हुआ। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा था, मेरे माता-पिता के कार्यों के कारण हम भाई बहुत दूर हो गए हैं। पिछले कई सालों से मेरे परिवार ने मेरे आत्म-सम्मान को बार-बार ठेस पहुंचाई है। उनके फैसलों ने मेरी मानसिकता, आत्मविश्वास और रिश्तों को नुकसान पहुंचाया, जिससे मैं डिप्रेशन का शिकार हो गया।

शाहजहांपुर : जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम, जीते पुरस्कार

शाहजहांपुर ■

शाहजहांपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी वर्ष पर बुधवार को जिलास्तरीय जूनियर एथलेटिक्स बालक-बालिका प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें विभिन्न स्पर्धा में खिलाड़ियों ने अपना दम दिखाते हुए पुरस्कार हासिल किया। डॉ.सुदामा प्रसाद विद्यास्थली स्कूल में प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला ओलंपिक संघ के सचिव नरेंद्र त्यागी व विशिष्ट अतिथि राहुल मिश्रा और स्कूल की प्रशासनिक अधिकारी वंदना गुप्ता ने माल्यार्पण कर किया। इसके बाद 60 बालक व 35 बालिकाओं ने विभिन्न प्रतियोगिता में अपना दम दिखाया।

सौ मीटर दौड़ में अनुराग दीक्षित प्रथम, अजीतेश दीक्षित द्वितीय, संदीप कुमार तृतीय रहे। 200 मीटर में अनुराग दीक्षित प्रथम, अजीतेश दीक्षित द्वितीय व पीयूष कुमार तृतीय, चार सौ मीटर में आयुष कुमार प्रथम, अभिषेक द्वितीय व ओय मौर्या तृतीय रहे। आठ सौ मीटर दौड़ में शोएब ने पहला, अभिषेक ने दूसरा, जितिन मौर्या ने तीसरा, 1500 मीटर दौड़ में आयुष कुमार प्रथम, शिवम कुमार द्वितीय, नितिन कुमार तृतीय स्थान पर रहे। पांच हजार मीटर में आयुष दीक्षित प्रथम, शोएब द्वितीय व कौटिल्य ने तीसरा मुकाम हासिल किया। तीन हजार मीटर वॉक रेस में आशुतोष सबसे तेज धावक बने। प्रदीप ने दूसरा, घनश्याम ने तीसरा मुकाम हासिल किया। दस हजार मीटर दौड़ में आयुष दीक्षित प्रथम, शिवम द्वितीय व नितिन कुमार तृतीय रहे। लंबी कूद, ऊंची कूद में मोहम्मद शोएब प्रथम रहे। गोला और भाला फेंक में विवेक कुमार वर्मा ने बाजी मारी। निर्णायक मंडल में पंकज सकसेना, मुजाहिद अली, अनिल मौर्या आदि शामिल रहे। कार्यक्रम में शकील अहमद, निशांत कुमार, इरफान खान, अजय पाल वर्मा, महजबी खान आदि का सहयोग रहा। जिला खेल अधिकारी एसपी बमनिया ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाले को सात सौ, द्वितीय को छह सौ और तृतीय को पांच सौ रुपये आरटीजीएस के माध्यम से दिए गए हैं।

सेपक टकरा विश्व कप 2025 में भारतीय पुरुष रेगु टीम ने जीता स्वर्ण, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली ■

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के पटना में आयोजित सेपक टकरा विश्व कप 2025 में भारतीय पुरुष टीम को पहला स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी है। बता दें कि, बिहार में पहली बार सेपकटाकरा वर्ल्ड कप का आयोजन पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में 20 से 25 मार्च तक किया गया। इस विश्व कप में विश्व के 20 देशों ने हिस्सा लिया तथा 300 से ज्यादा खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों ने भाग लिया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- सेपक टकरा विश्व कप 2025 में शानदार खेल का प्रदर्शन करने के लिए हमारे दल को बधाई। इस दल ने 7 पदक जीते। पुरुष रेगु टीम ने भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक लाकर इतिहास रच दिया। यह शानदार प्रदर्शन वैश्विक सेपक टकरा क्षेत्र में भारत के लिए एक आशाजनक भविष्य का संकेत देता है।

भारत आएगी अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम, लियोन मेसी भी होंगे शामिल, प्रदर्शनी मैच में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली ■

भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों लियोन मेसी और अर्जेंटीना टीम को खेलते देखने का मौका मिलेगा। फीफा विश्व कप की विजेता टीम अर्जेंटीना और स्टार फुटबॉलर मेसी इस साल अक्तूबर में केरल में प्रदर्शनी मैच खेलने के लिए भारत आएंगे। मेसी का 14 साल बाद यह पहला भारत दौरा होगा।

अक्तूबर में होगा मुकाबला

पिछले साल नवंबर में केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने बताया था कि अर्जेंटीना की टीम कोच्चि में दो

प्रदर्शनी मैच खेलने के लिए राज्य का दौरा करेगी। अर्जेंटीना टीम की आधिकारिक पार्टनर ने बुधवार को बताया कि यह मुकाबला अक्तूबर में आयोजित होगा। इसका उद्देश्य भारत में फुटबॉल को बढ़ावा देना है। आधिकारिक पार्टनर द्वारा रिलीज में कहा गया, इस साझेदारी के तहत अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम जिसमें लियोन मेसी भी शामिल होंगे, वे अक्तूबर 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी मैच के लिए भारत का दौरा करेंगे। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ और एसएसबीसी इंडिया ने भारत और सिंगापुर के लिए एक साल का पार्टनरशिप करार किया है। इसके तहत 2025 विश्व कप क्वालिफिकेशन के फाइनल मैच को देखते हुए प्रतिस्पर्धी सीजन को कवर करना शामिल है। मेसी पहली बार सितंबर 2011 में भारत आए थे। उन्होंने उस वक्त कोलकाता में वेनेजुएला के खिलाफ विश्व कप के क्वालिफाइंग राउंड में हिस्सा लिया था।

बोल्ड अंदाज में नजर आयी नताशा स्टेनकोविक

मुम्बई। क्रिकेटर हार्दिक पांड्या से तलाक के बाद उनकी पूर्व पत्नी और सर्बियाई मॉडल नताशा स्टेनकोविक नताशा एक बार फिर भड़कीलें अंदाज में नजर आयीं हैं। नताशा ने सोशल मीडिया में अपनी बिकिनी की तस्वीरें साझा की हैं। वह समुद्र में मस्ती करती नजर आ रही हैं। क्रिकेट प्रशंसका भी नताशा के इस पुराने रूप को देखकर हैरान हैं। उनकी तस्वीरों पर कई कमेंट भी आ रहे हैं। हार्दिक नताशा स्टेनकोविक के अफेयर की शुरुआत 2018 में शुरू हुई जब वे मुंबई के एक नाइट क्लब में मिले। वहीं साल 2018 : में पंड्या ने मुंबई में एक भव्य जन्मदिन समारोह की मेजबानी की, जिसमें नतासा उपस्थित थीं। दोनों पहली बार मिले। वहीं साल 2020 : में कोरोना महामारी के बीच ही लॉकडाउन में दोनो की शादी हुई। वहीं इसके बाद दोनों के घर बेटे अगस्त्य पंड्या का जन्म हुआ, जो उनके रिश्ते में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

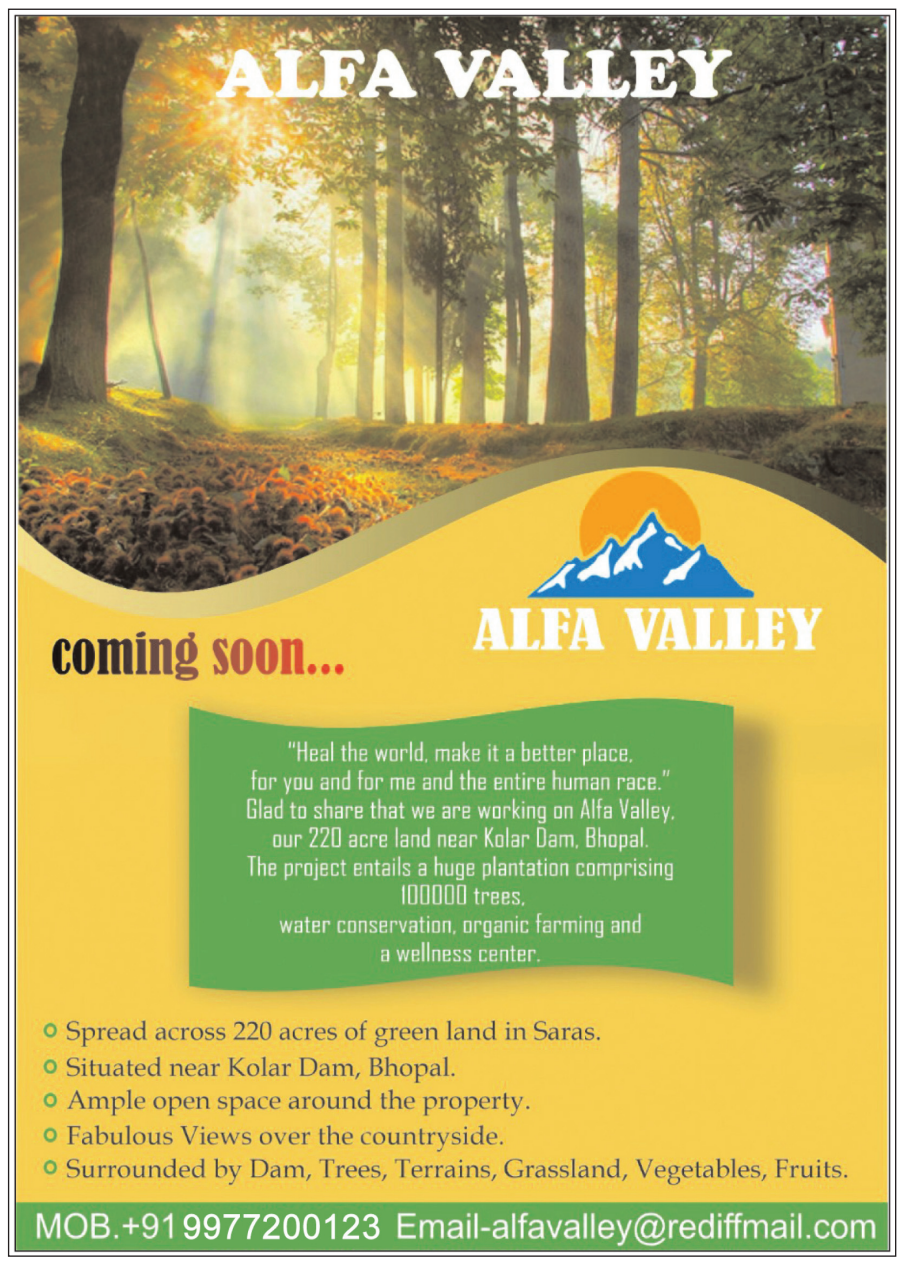

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news

प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com